हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 305 बेमेतरा, बुधवार 01 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

4 साल की बच्ची से पुणे में रेप-मर्डर केस में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई सजा

पुण। पुणे में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 2 मई 2026 को 65 साल के बुजुर्ग आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर मृत्युदंड की सजा की मांग करेंगें. पुणे के नसरापुर नाबालिग बच्ची से रेप और हत्या के मामले मैं आरोपी भीमराव कांबले को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस जघन्य और घिनौनी वारदात के लिए उम्रकैद की सजा काफी नहीं है. पुणे में 4 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की दास्तां दहलाने वाली थी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आरोपी ने बच्ची के मुंह में मोजा ठूंसा था. महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरपुर में चार साल की नन्ही सी बच्ची से दरिंगदी करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के दोषी भीमराव कांबले को कोर्ट ने सजा सुना दी है. इस केस के आरोपी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई गई है. रिकॉर्ड 59 दिनों में इस दिल दहला देने वाली घटना के दोषी को सजा सुनाई गई. बच्ची के रेप और मर्डर केस में सोमवार (29 जून) को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज एसआर सालुंके ने यह सजा सुनाई है. इस मामले में आज पुणे की अदालत ने ीन धाराओं के तहत आरोपी को फांसी की सजा सुनाई. 65 साल के भीमराव कांबले पर अपहरण, बलात्कार, छेड़छाड़ और हत्या सहित कुल सात मामले दर्ज थे.

नकटी गांव पहुंची कांग्रेस-प्रभावित परिवारों का सुना दर्द

बीजेपी ने गरीबों को बुलडोजर से दिखाई ताकत-भूपेश बघेल

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर के नकटी गांव में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज आज प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे. उन्होंने मुलाकात कर लोगों की पीड़ा को सुना और प्रशानसिक कार्यप्रणाली की कड़ी निंदा की. इस दौरान कई महिलाओं का दर्द भी छलका. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने परिवारों से घर टूटने घटना के समय मौके पर नहीं पहुंच पाने पर माफी मांगी. उन्होंने कहा कि रात को करीब 10.30 बजे जानकारी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने पप्पू बंजारे को मौके पर भेजा था. पूरे इलाके को भारी पुलिस बल ने घेर रखा था. कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर में इस मुद्दे को उठाया गया था. उन्होंने प्रभावित परिवारों से कहा कि उनके घर टूटने का दुख कांग्रेस पार्टी को भी है और वे इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़ी है. दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करती है. घर टूट गया तो क्या हुआ, घर दोबारा बनेगा, कांग्रेस आपके साथ हर लड़ाई लड़ेगी. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विधायक और अधिकारियों के लिए आवास बनाने की तैयारी कर रही है, लेकिन इसके लिए गरीबों के घर उजाड़ना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि किसी का घर तोड़कर विधायक का घर नहीं बनना चाहिए. दीपक बैज ने कहा कि यहां कांग्रेस राजनीति करने नहीं आई है, बल्कि प्रभावित लोगों के अधिकारों की

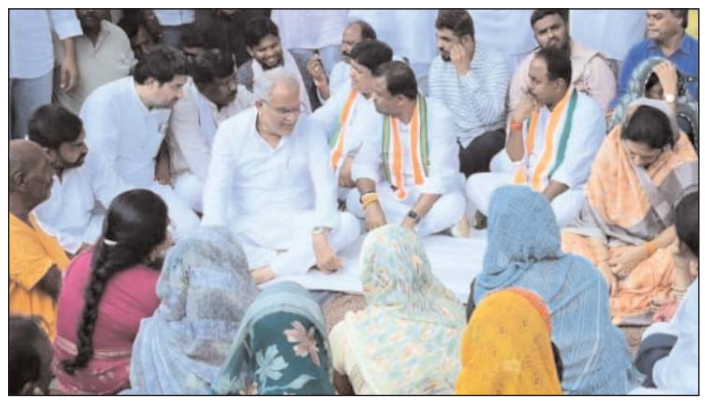

लड़ाई लड़ने आई है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लोगों के घर तोड़े जा रहे हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल में किसी का घर नहीं तोड़ा गया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने परिवारों से कहा कि 13 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में कांग्रेस नकटी गांव का मुद्दा प्रमुखता से उठाएगी. साथ ही कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर और राज्यपाल से भी मुलाकात करेगा. यदि समाधान नहीं निकला तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन और प्रदर्शन करेगी. उन्होंने भाजपा विधायक अनुज शर्मा और सांसद बृजमोहन अग्रवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वह चाहते तो यह कार्रवाई रुक सकती थी. बैज ने कहा कि दोनों जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगा जाना चाहिए कि प्रभावित परिवारों के घर क्यों नहीं बचाए गए. साथ ही उन्होंने रायगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी विकास परियोजनाओं के नाम पर बड़ी संख्या में मकान तोड़े गए और लाखों पेड़ काटे गए. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रभावित परिवारों से चर्चा करने के बाद राज्य सरकार पर हमला बोला. उन्होंने आरोप है कि प्रशासन ने गरीब परिवारों के घरों को तोड़ गया है, जबकि प्रभावशाली लोगों के मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. बघेल ने मांग की कि जिन लोगों के घर तोड़े गए हैं।

गांव के आसपास मौजूद सभी अवैध कब्जों पर भी समान रूप से कार्रवाई की जाए.....

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नकटी गांव में हुई कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि पूरे मामले पर ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा हुई है और सभी प्रभावित लोगों की बात सुनी गई है. उनका आरोप है कि प्रशासन ने गरीब परिवारों के घरों को निशाना बनाया, जबकि प्रभावशाली लोगों के मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार ने गरीबों पर बुलडोजर चलाकर अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किया है. बघेल ने भाजपा नेताओं बृजमोहन अग्रवाल और अनुज शर्मा का नाम लेते हुए कहा कि वह पहल करते तो किसी का घर नहीं टूटता. उन्होंने कहा कि गांव के आसपास मौजूद सभी अवैध कब्जों पर भी समान रूप से कार्रवाई की जाए.

पूछताछ में बोले पूर्व महासचिव चंपत राय

चोरी में मेरी कोई भूमिका नहीं,टिन्नू ने किया गलत..

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। विशेष जांच टीम के सामने पहली बार पूर्व महासचिव चंपत राय ने अपना बयान दर्ज कराते हुए चोरी में अपनी किसी भी भूमिका से साफ इनकार किया है और अपने करीबी सहयोगी टिन्नू यादव को जिम्मेदार ठहराया है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में रामलला के चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की कड़ियों को जोड़ने में जुटी विशेष जांच टीम की कार्रवाई अब बेहद निर्णायक

मोड़ पर पहुंच गई है। मामले के मुख्य केंद्र में घिरे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से पुलिस ने सोमवार को पहली बार करीब तीन घंटे तक बेहद कड़ी और सीधी पूछताछ की। बंद कमरे में हुई इस तफ्तीश के दौरान चंपत राय ने घोटाले में अपनी किसी भी संलिप्तता या भूमिका से साफतौर पर इनकार कर दिया। उन्होंने जांच अधिकारियों के सामने दावा किया कि जैसे ही उन्हें इस कथित चोरी और हेरफेर की जानकारी मिली, वे तुरंत सक्रिय हो गए थे और उन्होंने ही संदिग्धों को पकड़वाकर एफ्आईआर दर्ज कराई थी। चंपत राय ने पूछताछ के दौरान अपने बेहद करीबी सहयोगी और ड्राइवर रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर पूरा ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि टिन्नू बहुत पहले से उनके साथ जुड़ा हुआ था, लेकिन उसने जो किया वह पूरी तरह गलत था ।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और चंदे में गड़बड़ी प्रकरण में पुलिस सख्त

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और चंदे में हेराफेरी के मामले में राज्य सरकार की एसआईटी के साथ अयोध्या पुलिस ने पड़ताल तेज कर दी है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद एक अज्ञात सहित नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने आठ लोगों को जेल भेजा है। सोमवार को पुलिस ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपतराय से पूछताछ की। माना जा रहा है कि अब अयोध्या पुलिस अनिल मिश्रा और गोपाल राव का बयान भी जल्द दर्ज करेगी। राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी की एसआईटी के साथ जांच कर रही अयोध्या पुलिस ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपतराय का बयान दर्ज किया।

भारतीय सेना का मिला नया नेतृत्व

जनरल सेठ सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल...

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय सेना को नया नेतृत्व मिल गया है। जनरल धीरज सेठ ने 30 जून 2026 को देश के नए सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वह सेना के उप प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके सेना प्रमुख बनने के साथ ही निवर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक लॉन्स में उन्हें सेना की ओर से औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जबकि उन्होंने नेशनल वॉर

मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की इतिहास राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला के पूर्व छात्र जनरल धीरज सेठ को दिसंबर 1986 में भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन मिला था। करीब चार दशक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं और देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनके पास ऑपरेशनल, रणनीतिक योजना, सैन्य क्षमता विकास और संस्थागत नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। जनरल सेठ ने रेगिस्तानी क्षेत्रों से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों तक विभिन्न चुनौतीपूर्ण मोर्चों पर नेतृत्व किया है। उन्होंने एक बख्तरबंद रेजिमेंट, पश्चिमी सीमा पर बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी बल की कमान भी संभाली।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 की गतिविधियों को गति देने जिला सहकारी विकास समिति की बैठक संपन्न

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, नई सहकारी समितियों के गठन एवं वार्षिक कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर कलेक्टर ने दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में सहकारिता गतिविधियों को और अधिक सशक्त एवं जनभागीदारी आधारित बनाने के उद्देश्य से बीते मंगलवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक दिशा सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत जिले में संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷अभियान को सहकारिता आंदोलन से जोड़ते हुए अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले की सभी सहकारी संस्थाएं, समितियां एवं संबंधित विभाग अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर पौधरोपण करें तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखरेख को भी प्राथमिकता दें, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक सहभागिता का संदेश भी सशक्त रूप से प्रसारित हो। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर राज्य स्तर से जारी वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के अनुसार जिले में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में गतिविधियों का सफल आयोजन सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में जिले की अनाच्छादित एवं अल्पसेवित ग्राम पंचायतों में बहुआयामी मत्स्य सहकारी समितियों तथा बहुआयामी दुग्ध सहकारी समितियों के गठन एवं पंजीयन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर पात्र हितग्राहियों को सहकारिता से जोड़ने, नई समितियों के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों, पशुपालकों एवं मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप सहकारिता आधारित विकास को गति देने पर जोर दिया।बैठक में समिति के अन्य एजेंडों पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा अध्यक्ष की अनुमति से आवश्यक सुझावों एवं प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, सहकारिता विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नकटी ग्राम में 80 घरों पर चला बुलडोजर गरमाई राजनीति, बेमेतरा में भी उठे विरोध के स्वर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रायपुर स्थित माना क्षेत्र के धरसीवा विधानसभा अंतर्गत ग्राम नकटी खपरी में लगभग 80 घरों पर चली बुलडोजर कार्रवाई के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर भारी उबाल देखने को मिल रहा है। इस घटना को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गए हैं। जहां कांग्रेस ने इस कार्रवाई को गरीब विरोधी और तानाशाहीपूर्ण कदम बताया है, वहीं भाजपा इसे अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बता रही है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले में भी इस मुद्दे को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) एवं युवा कांग्रेस के जिला सचिव परमेश्वर पात्रे ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में ÷सुशासन÷ का दावा करने वाली सरकार गरीबों और मजदूरों के आशियाने उजाड़ने में लगी हुई है। परमेश्वर पात्रे ने कहा कि ग्राम नकटी खपरी में प्रधानमंत्री आवास योजना और इंदिरा आवास योजना से जुड़े लगभग 80 परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाना बेहद अमानवीय और निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार गरीब, आदिवासी, मजदूर, श्रमिक और किसानों को लगातार प्रताड़ित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, ÷एक तरफ सरकार गरीब कल्याण और विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ उन्हीं गरीब परिवारों का आशियाना उजाड़ने का काम कर रही है। यह भाजपा सरकार का तानाशाही और निरंकुश चेहरा है। जनता अब सब देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।÷ परमेश्वर पात्रे ने आगे कहा कि सरकार को गरीबों के पुनर्वास और उनकी मूलभूत सुविधाओं की चिंता करनी चाहिए, न कि उनके सिर से छत छीनने की। उन्होंने बुलडोजर कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा और पुनर्वास देने की मांग भी की। इस घटना के बाद प्रदेशभर में राजनीतिक बहस तेज हो गई है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक बयानबाजी और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

महासंघ के हड़ताल के आह्वान पर नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन शामिल नहीं होगा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :- कांकेर छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन राज्य स्तरीय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के 27 जुलाई से प्रस्तावित संभागीय हड़ताल में शामिल नहीं होगा। आज छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के राज्य अध्यक्ष द्वारका कोसरिया एवं भाव सिंह ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है। नेताओं ने कहा कि निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों की मासिक वेतन बहुत ही अपर्याप्त है, इन कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि होना चाहिए। राज्य सरकार को न्यूनतम वेतन मासिक 26 हजार रूपये करना चाहिए। लेकिन प्लेसमेंट कर्मचारियों महासंघ ने नए श्रम कोड को लागू कर वेतन वृद्धि करने की मांग किया है। जबकि श्रम कोड लागू होने के बाद मालिकों और ठेकेदारों को न्यूनतम मजदूरी से भी कम मजदूरी भुगतान करने का कानूनी अधिकार हासिल हो जाएगा और वे फ्लोर वेज पर भी वेतन का भुगतान कर सकेंगे। गौरतलब है कि वर्तमान में फ्लोर वेज दैनिक 178 रुपए है। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों का जाब सुरक्षा होना चाहिए। लेकिन श्रम कोड में कर्मचारी मजदूरों का जाब सुरक्षा की कानूनी अधिकार को छीन लेने की बात है। श्रम कोड में मालिक ठेकेदारों को बिना किसी कारण दर्शाए, पूर्व में सूचना दिए बिना ही काम से निकाल देने का अधिकार प्रदान करता है। नेताद्वय ने बताया कि नए श्रम कोड कर्मचारियों मजदूरों को मालिकों ठेकेदारों के गुलाम बनाने का कानून है। जहां पर श्रमिकों के अधिकारों का हनन होने श्रमिक कर्मचारी अपने न्याय के लिए औद्योगिक न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते थे अब नए श्रम कोड उस रास्ता को भी बंद कर देता है।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन के आवेदनों पर गंभीरता से निराकरण के निर्देश दिए, कलेक्टर द्वारा सरपंच को गांव से अवैध कब्जा हटाने के निर्देश

सरपंच, पंच एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में ग्रामसभा का निर्णय किया जाए- कलेक्टर पदमिनी भोई साहू

कलेक्टर ने जिला को कुपोषण मुक्त, बाल विवाह मुक्त और कुष्ठमुक्त बनाने पर जोर दिया

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के प्रगतिरत कार्यों का समीक्षा बैठक किया। साथ ही मुख्यमंत्री जनदर्शन, सीएम हेल्पलाईन, जनशिकायत और कलेक्टर जनदर्शन के अलावा विभिन्न माध्यम से प्राप्त आवेदनों का कलेक्टर ने उनके अब तक हुए निराकरण के संबंध में अधिकारियों से पूछताछ कर आवेदकों को मांग के बारे में यदि बजट नहीं है, पात्र या अपात्र हैं तो क्या कार्यवाही आवेदक के द्वारा और क्या कार्यवाही विभाग द्वारा किया जाना है उसकी जानकारी देनी चाहिए। वहीं शिकायत वाले आवेदन पर विधिवत कार्यवाही के लिए संबंधित विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही की जानकारी आवेदक को दिया जाए। अखबार में प्रकाशित शीर्षक ग्रामसभा या मजाक, बरमकेला जनपद क्षेत्र के इस पर संज्ञान लेकर कलेक्टर ने जिले के सभी सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देश दिए कि ग्राम सभा में सरपंच, पंच एवं ग्रामीणों की उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिए। कलेक्टर ने स्कूलों में पढ़ाई लिखाई की व्यवस्था के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूली शिक्षा की व्यवस्था जिले में अच्छी होनी चाहिए। सभी प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी समय पर स्कूल पहुंचे। ऐप्प और बायोमेट्रिक हाजिरी में सभी अपना हाजिरी दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लें। जरूरत पड़े तो सभी विभागीय अधिकारी आपस में दूसरे विभाग के अधिकारी से समन्वय कर आवेदन का पुख्ता निराकरण करें। कलेक्टर ने आयुष्मान, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, टीबीमुक्त गांव, सिकलसेल, हाईरिस्क प्रेगेनेंसी, मेडिकल बोर्ड बैठक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण, पीएम सूर्यघर, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट, जल जीवन मिशन, जल आवर्धन, पीएम आदर्श ग्राम योजना, बाल विवाह मुक्त जिला आदि के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर उन्हें कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में सीड बाल, गड्ढे में वृक्षारोपण, जीरामजी (मनरेगा) के तहत 10 हजार पौधारोपण करने के निर्देश विभागों को दिए वहीं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सीईओ को निर्देश दिए कि पीएम आवास में तेजी लाएं, सरपंचों को बैठक लेकर उन्हें पंचायत अधिनियम के तहत गांवों में अवैध कब्जा को स्वस्फूर्त सरपंच खुद हटवाए। गांव की सीमा में हो रहे अवैध ईट भट्ठा पर स्वयं कार्यवाही करें। वहीं जिले में आवश्यक स्थानों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन के तहत कराएं। शासकीय और निजी सैप्टिक वाहनों के मलीय कीचड़ को सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम कोतरी, बरमकेला ब्लॉक के ग्राम बार और बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम गिरसा में बने फिकल स्लज मैनेटमेंट सिस्टम में नष्टीकरण करें। कलेक्टर ने धरती आबा के 17 ग्रामों में सभी विभागों के द्वारा पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही ई-आफिस में शासकीय कार्यों का पत्राचार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में महिला एवं बाल विकास अधिकारी उत्तम प्रसाद ने कुपोषण मुक्त जिला बनाने के लिए जिला स्तरीय समिति में जांच अधिकारी के रूप में शामिल सभी अधिकारियों को कुपोषण बच्चों की स्थिति, कुपोषण से कैसे बचाव, खानपान आदि के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर जिले के अधिकारीगण उपस्थित थे।

खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण करने वालों पर कार्रवाई जारी, सरिया क्षेत्र में परिवहन करते 02 हाईवा और 08 ट्रैक्टर जब्त..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पद्मिनी भोई साहू के निर्देश पर खनिज विभाग ने 26 से 30 जून तक लगातार पांच दिनों तक सारंगढ़, सरिया और बरमकेला क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त लोगों पर शिकंजा कसा। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध खनिज कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

खनिज अमले ने निरीक्षण के दौरान नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर 08 स्वीकृत भंडारण एवं क्रशर इकाइयों पर छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियम 2009 के तहत जब्ती की कार्रवाई कर उन्हें सील कर दिया। इनमें सिंघल क्रशर उद्योग (प्रो. गोपाल प्रसाद अग्रवाल), गणपति ग्रामोद्योग (प्रो. रमेश छपारिया), जय मां शारदा मिनरल्स (प्रो. हिमांशु अग्रवाल), मंगल क्रशर उद्योग (प्रो. दीपक अग्रवाल), श्री सालासर इंटरप्राइजेस (प्रो. प्राची बेरीवाल), हरिओम मिनरल्स (प्रो. शत्रुघ्न लाल अग्रवाल), मां अंबे स्टोन क्रशर (प्रो. नीरजा अग्रवाल) तथा श्री श्याम मिनरल्स (प्रो. पूनम देवी अग्रवाल) शामिल हैं। इसके अलावा गुड़ेली स्थित मेसर्स बाबा मिनरल्स (प्रो. राजेश अग्रवाल) के स्वीकृत उत्खनन पट्टे में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवं पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों के उल्लंघन पाए जाने पर उसे भी जब्त कर सील किया गया।

विभाग द्वारा इस मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं मंगलवार को सरिया तहसील में किए गए निरीक्षण के दौरान गौण खनिज डोलोमाइट का अवैध परिवहन करते हुए दो हाईवा (छ्त्-13-ङ्ग-0311 एवं छ्त्-13-क्च्य-5842) तथा साधारण रेत का अवैध परिवहन करते 08 ट्रैक्टर जब्त किए गए। सभी वाहनों को थाना सरिया की अभिरक्षा में रखा गया है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवं खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत की गई। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांकेर पुलिस विभाग से तीन जांबाज अधिकारी हुए सेवानिवृत्त : चार दशक की उत्कृष्ट सेवाओं के बाद दी गई भावभीनी विदाई

जगदलपुर से शुरू हुआ था विदाई पाने वाले पुलिस अफसरों का सफर; कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी की मिसाल बने भागवत, प्रभुराम और रामेश्वर

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :- जिला उत्तर बस्तर कांकेर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लगभग चार दशक तक पुलिस विभाग में अपनी उत्कृष्ट और अनुकरणीय सेवाएं देने वाले तीन पुलिस अधिकारियों के लिए एक गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल, एएसपी योगेश साहू एवं एएसपी दिनेश सिन्हा के मार्गदर्शन में यह विदाई कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह में उप निरीक्षक भागवत चालकी, सहायक उप निरीक्षक प्रभु राम जैन एवं सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर महावीर को उनके दीर्घ और सेवाकाल के लिए प्रतीक चिन्ह, शाल एवं श्रीफल भेंट कर ससम्मान भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के परिजन मुख्य रूप से उपस्थित थे। सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों में उप निरीक्षक भागवत चालकी ने दिनांक 09 फरवरी 1989 को जिला जगदलपुर में आरक्षक पद से अपनी सेवा प्रारंभ की थी। उन्होंने अपने लगभग 37 वर्षों के सेवाकाल के दौरान जिला जगदलपुर, नारायणपुर एवं कांकेर में पदस्थ रहकर विभाग को अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं। वहीं, सहायक उप निरीक्षक प्रभु राम जैन ने दिनांक 22 नवम्बर 1991 को आरक्षक पद पर नियुक्त होकर अपनी पुलिस सेवा की शुरुआत की थी। उन्होंने लगभग 35 वर्षों के सेवाकाल में जिला कांकेर, विशेष शाखा तथा विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। जैन ने अपने कार्यकाल के दौरान गोपनीय सूचनाओं के संकलन, विश्लेषण एवं जिले की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया।तीसरे अधिकारी, सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर महावीर का सेवाकाल सबसे लंबा रहा। उन्होंने दिनांक 26 अप्रैल 1983 को जिला जगदलपुर में आरक्षक पद से पुलिस विभाग में कदम रखा था। अपने लगभग 43 वर्षों के लंबे और शानदार सेवाकाल में उन्होंने जिला जगदलपुर, कोरबा, दंतेवाड़ा एवं कांकेर में विभिन्न कठिन दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए विभाग में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तीनों सेवानिवृत्त अधिकारियों की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी की मुक्त कंठ से सराहना की और उनके सेवाकाल को युवा पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणादायी बताया। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी उत्कृष्ट सेवाएं सदैव पुलिस विभाग के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनी रहेंगी। इस भावुक कर देने वाले विदाई कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक (बस्तर फाइटर्स) मेखलेंद्र प्रताप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) विंकेश्वरी पिंदे, उप पुलिस अधीक्षक कविता धुर्वे, रक्षित निरीक्षक गोविंद वर्मा, दीपक साव सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिवारजन उपस्थित रहकर इस गरिमामय क्षण के साक्षी बने।

सीएम हेल्पलाइन एवं जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिखाई सख्ती : शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बीते मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सुशासन तिहार के आवेदनों तथा विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक योजना का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सफलता योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आम नागरिकों की संतुष्टि से तय होती है। इसलिए सभी अधिकारी जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनावश्यक विलंब या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का हो वास्तविक एवं स्थायी समाधान-बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निराकरण केवल पोर्टल पर प्रकरण बंद करने तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता ही प्रशासन की कार्यप्रणाली का सबसे बड़ा पैमाना है। यदि किसी विभाग से बार-बार एक जैसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं तो यह संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आवश्यक होने पर संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करें और शिकायतों का स्थायी समाधान करें। निम्न रैंकिंग वाले विभागों को विशेष रूप से चेतावनी देते हुए आगामी समीक्षा बैठक तक उल्लेखनीय सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

धरातल पर दिखाई दे शासन की योजनाओं का प्रभाव-कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य केवल लक्ष्य पूरा करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ समय पर हितग्राहियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता का मूल्यांकन केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिणामों से होगा।

सुशासन तिहार के आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें-बैठक में सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान शासन और आम नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। इसलिए प्रत्येक आवेदन का पारदर्शी, प्रभावी एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए तथा निराकरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

ई-ऑफिस के माध्यम से बढ़े पारदर्शिता और कार्यकुशलता-कलेक्टर ने कार्यालयीन कार्यों में ई-ऑफिस प्रणाली के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि डिजिटल व्यवस्था से कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गति आएगी। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि फाइल संचालन, पत्राचार एवं अनुमोदन की प्रक्रिया नियमित रूप से ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित की जाए। जिन विभागों में इसका उपयोग अपेक्षाकृत कम है, वे तत्काल सुधारात्मक कदम उठाएं।

टीएल प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ता से न करें समझौता-कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा (टीएल) के प्रकरणों का निराकरण पूरी गंभीरता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए। किसी भी प्रकरण का निपटारा केवल औपचारिकता के लिए न किया जाए। प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि आवेदकों को वास्तविक, संतोषजनक एवं स्थायी समाधान प्राप्त हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार नियमित फील्ड विजिट कर योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति का स्वयं निरीक्षण करें तथा समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करें।बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पहली ही बरसात में खुली घरघोड़ा तहसील कार्यालय की बदहाली, परिसर बना तालाब, तिरपाल के सहारे चल रहा सरकारी कामकाज

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

पहली ही बारिश ने घरघोड़ा तहसील कार्यालय की जर्जर व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। तहसील कार्यालय परिसर में जगह-जगह पानी भर जाने से पूरा परिसर डबरे (तालाब) में तब्दील हो गया है। कार्यालय आने वाले आम नागरिकों, बुजुर्गों और कर्मचारियों को पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। इतना ही नहीं, वर्षों पुरानी हो चुकी तहसील भवन की छत भी जगह-जगह से टपक रही है। हालात ऐसे हैं कि अधिकारी और कर्मचारी छत से टपकते पानी से बचने के लिए तिरपाल लगाकर सरकारी कार्य करने को मजबूर हैं। यह स्थिति न केवल कर्मचारियों के लिए असुविधाजनक है, बल्कि सरकारी दस्तावेजों और अभिलेखों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। तहसील कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान की यह बदहाली प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। यदि राजस्व विभाग का प्रमुख कार्यालय ही जर्जर भवन और जलभराव की समस्या से जूझ रहा है, तो अन्य सरकारी कार्यालयों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही हालात बनते हैं, लेकिन अब तक न तो भवन का समुचित जीर्णोद्धार हुआ और न ही जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की गई। करोड़ों रुपये विकास कार्यों पर खर्च होने के बावजूद तहसील कार्यालय जैसी बुनियादी सरकारी इमारत की उपेक्षा चिंता का विषय है।अब उठ रहे हैं ये सवाल– क्या जर्जर तहसील भवन का जल्द जीर्णोद्धार होगा? क्या जलभराव की स्थायी व्यवस्था बनाई जाएगी? क्या प्रशासन आम जनता और कर्मचारियों की सुरक्षा को गंभीरता से लेगा?

जनता की मांग:

घरघोड़ा तहसील कार्यालय के भवन का तत्काल जीर्णोद्धार कराया जाए, परिसर में पक्की जल निकासी व्यवस्था बनाई जाए तथा कर्मचारियों और आम नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

आठ पोकलेन मशीनों के मालिकों को नोटिस जारी, अवैध खनन का केस

बरमकेला के मौहापाली में सात एकड़ की अवैध खदान, दूसरी खदानों पर भी नजर

रायगढ़/मूक पत्रिका

डोलोमाइट क्रशरों का कारोबार केवल अवैध खदानों के जरिए ही चल रहा है। मौहापाली में सात एकड़ अवैध खदान पर कार्रवाई होने के बाद सिंडीकेट सदमे में है। खनिज विभाग ने आठ पोकलेन मशीनों के मालिकों को नोटिस दिया है, लेकिन इस बार मामूली पेनाल्टी नहीं लगेगी। बताया जा रहा है कि खदान से निकाले गए कुल खनिज मात्रा की गणना करते हुए जुर्माना लगेगा। पेनाल्टी चुकाने में ही मशीनें बिक जाएंगी। डोलोमाइट और लाइमस्टोन की अवैध खदानों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने की वजह से हर गांव में एक खदान खुल गई। लोकल लोगों का सिंडीकेट इन खदानों को ऑपरेट करता है। कहां से किस रेट पर खदान से डोलोमाइट बोल्डर सप्लाई होगा, सब यही सिंडीकेट ही तय करता है। मौहापाली में भी दाता, डालमिया, भरत, शांतिलाल, संजय, धनी जैसे लोग ही खनन करवा रहे थे। सारंगढ़ कलेक्टर के आदेश पर बरमकेला के मौहापाली में डोलोमाइट के सात एकड़ में फैले अवैध खदान पर छापा मारा गया। मौके से 8 पोकलेन मशीनें, 1 जेसीबी और 19 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं। इस मामले में आठ पोकलेन मशीनों और जेसीबी के मालिकों को नोटिस भेजा गया है। मिली जानकारी के मुताबिक यह खनिज के अवैध परिवहन का केस नहीं है, बल्कि अवैध खनन का मामला है। कोई पट्टेदार अपनी खदान में खनन न करके इस अवैध खदान से पत्थर ले रहा था। उस पर रॉयल्टी जारी करवा रहा था। इस मामले में अलग नियमों में कार्रवाई करनी होगी। अवैध खनन करते हुए मशीनें जब्त की गई हैं। इसलिए सामान्य पेनाल्टी देकर नहीं छूट सकती।

ट्रिगर और ड्रोन सर्वे में होगा खुलासा

अब समय आ गया है कि सरकार लाइमस्टोन व डोलोमाइट के स्वीकृत खनिपट्टों और अवैध खनन स्थलों की ट्रिगर जांच व ड्रोन सर्वे कराए। हर खदान के इर्द-गिर्द अवैध खदानें हैं। किसी की सीमा तय नहीं है। सिंडीकेट ने भी कार्रवाई को दबाने और आगे कोई कार्रवाई होने से रोकने के लिए डील कर ली है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 52 चूना पत्थर और 12 डोलोमाइट के खनिपट्टे हैं। हकीकत यह है कि खदानें इससे अधिक हैं।

ऑपरेशन आघात' के तहत चक्रधरनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जंगल में चल रही अवैध शराब भट्टी पर दबिश

ग्राम नटवरपुर के जंगल से 65 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

महुआ शराब का निर्माण एवं बिक्री करते रंगे हाथ पकड़े गए आरोपी, आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई

अवैध शराब और नशे के कारोबार के विरुद्ध रायगढ़ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। – एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिलेभर में संचालित ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कल दिनांक 29 जून 2026 को थाना चक्रधरनगर पुलिस ने ग्राम नटवरपुर के जंगल में संचालित अवैध महुआ शराब निर्माण स्थल पर दबिश देकर 65 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की तथा दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक राकेश मिश्रा को मुखबीर से सूचना मिली थी कि ग्राम नटवरपुर के जंगल में कुछ लोग अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब का निर्माण कर बिक्री की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से दो व्यक्तियों को पकड़ा, जिन्होंने अपना नाम फुल्ल सिंह धनवार (25 वर्ष) एवं दुआरू धनवार (40 वर्ष) निवासी ग्राम नटवरपुर, थाना चक्रधरनगर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी फुल्ल सिंह धनवार के कब्जे से दो धातु के बर्तनों एवं एक प्लास्टिक जरीकेन में भरी 35 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा आरोपी दुआरू धनवार के कब्जे से एक बड़े ट्यूब में भरी 30 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई। इस प्रकार कुल 65 लीटर महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत ?13,000 है, जब्त की गई। पूछताछ में दोनों आरोपी शराब का निर्माण एवं बिक्री करना स्वीकार किए तथा उसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर थाना चक्रधरनगर में दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2), 59(क) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक दिलीप भानु, प्रधान आरक्षक रविकिशोर साय एवं आरक्षक संदीप कौशिक, चन्द्र कुमार बंजारे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह का संदेश– ÷ऑपरेशन आघात के तहत अवैध शराब और नशे के कारोबार पर लगातार प्रभावी प्रहार किया जा रहा है। समाज में नशे के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा।

चोरी की बाइक के साथ वारदात में इस्तेमाल की गई दूसरी मोटरसाइकिल भी बरामद, आरोपी न्यायिक रिमांड पर

रायगढ़: बाइक चोरी का खुलासा, शातिर वाहन चोर गिरफ्तार; दो पल्सर बाइक जब्त

रायगढ/मूक पत्रिका

पूंजीपथरा थाना पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई बजाज पल्सर मोटरसाइकिल के साथ वारदात में इस्तेमाल की गई दूसरी पल्सर बाइक भी जब्त की है। जब्त वाहनों की कुल कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है।

घर की परछी से चोरी हुई थी बाइक– पुलिस के अनुसार, पूंजीपथरा निवासी आशीष कुमार बान्डेकर ने 27 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी बजाज पल्सर 125 (छ्त्र-13-क्र्ष-2757) को 26 जून की रात घर की परछी में खड़ा किया था। अगले दिन सुबह मोटरसाइकिल गायब मिली। शिकायत के आधार पर पूंजीपथरा थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

संदिग्ध युवक से पूछताछ में खुला राज– जांच के दौरान पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश कर रही थी। इसी बीच महुआ चौक, तुमीडीह के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूमता मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम राम सिदार (30), निवासी ग्राम चिराईपानी, थाना पूंजीपथरा बताया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बाइक चोरी की वारदात स्वीकार कर ली।

पेट्रोल खत्म होने पर चुराई दूसरी बाइक– पुलिस के मुताबिक, आरोपी चोरी करने के इरादे से अपनी पल्सर मोटरसाइकिल (छ्त्र-13-ड्ड-7026) से पूंजीपथरा आया था। रास्ते में पेट्रोल खत्म होने पर उसने अपनी बाइक रायगढ़ आयरन प्लांट के पास झाड़ियों में छिपा दी। इसके बाद पूंजीपथरा बस्ती में एक मकान की परछी से बजाज पल्सर चोरी कर अपने घर ले जाकर छिपा दी।

दो बाइक बरामद, आरोपी भेजा गया जेल– आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर से चोरी गई बाइक बरामद की। साथ ही रायगढ़ आयरन प्लांट के पास झाड़ियों से वारदात में इस्तेमाल की गई उसकी पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने की सतर्क रहने की अपील– यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक रामकिंकर यादव एवं उनकी टीम ने की। पुलिस ने नागरिकों से अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर लॉक कर रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

ग्राम पंचायत अमलडीहा में 15वें वित्त की राशि का बड़ा फर्जीवाड़ा; बिना फर्म के फर्जी बिलों से लाखों का आहरण, एक ही बिल नंबर का दो बार उपयोग कर निकाली दुगुनी रकम!

अमलडीहा में 'जादूगरी': न फर्म का अता-पता, न काम का ठिकाना; एक बिल नंबर को दो बार भुनाकर डकार गए जनता का पैसा!

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के सारंगढ़ जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत अमलडीहा से भ्रष्टाचार का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पंचायती राज व्यवस्था में पारदर्शिता के दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। ग्रामीणों और विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत अमलडीहा में 15वें वित्त आयोग की राशि का वास्तविक धरातल पर बिना कोई कार्य कराए केवल कागजों पर फर्जी बिल-व्हाउचर लगाकर लाखों रुपये का आहरण कर लिया गया है। इस पूरे खेल में सरपंच और सचिव की आपसी मिलीभगत और 'कागजी विकास' की रणनीति साफ उजागर हो रही है।

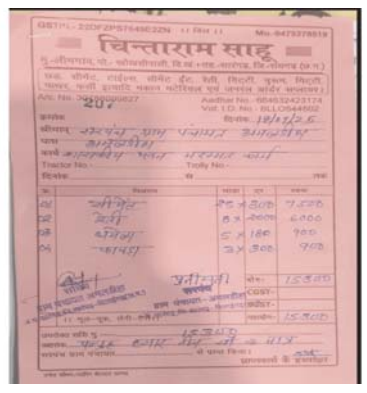

बिना किसी वास्तविक फर्म और दुकान के परोसे जा रहे बिल– हैरानी की बात यह है कि जिन तथाकथित वेंडरों या सप्लायरों के नाम पर बिल जारी कर ग्राम पंचायत से भुगतान लिया गया है, धरातल पर उनकी न तो कोई रजिस्टर्ड फर्म है और न ही किसी प्रकार की सामग्री मूलक दुकान। नियमतः किसी भी शासकीय निर्माण कार्य के लिए सामग्री क्रय करने हेतु वैध जीएसटी (त्रस्ञ्ज) नंबर युक्त और पंजीकृत फर्म से ही लेन-देन किया जा सकता है। परंतु अमलडीहा पंचायत में बिना किसी वास्तविक अस्तित्व वाली दुकानों के नाम पर फर्जी छपे हुए बिल थमाकर शासकीय खजाने को चूना लगाया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि जब बिल देने वाले के पास कोई वास्तविक दुकान या निर्माण सामग्री ही नहीं है, तो पंचायत सचिव और सरपंच ने धरातल पर निर्माण कार्य कहाँ से और कैसे कराया? यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि कार्य सिर्फ फाइलों में हुआ है और राशि सीधे जेबों में गई है।

बड़ा खुलासा: एक ही बिल नंबर का दो बार इस्तेमाल कर निकाली दुगुनी राशि– भ्रष्टाचार और बेखौफ अंदाज का सबसे बड़ा सबूत तब सामने आया जब ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड किए गए बिलों की पड़ताल की गई। पोर्टल पर उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, 'संस्कार ट्रेडर्स' के नाम से जारी बिल नंबर 225 (दिनांक 28/10/25) का उपयोग दो अलग-अलग भुगतानों के लिए हूबहू किया गया है।इस सिंगल बिल के माध्यम से 43,400 + 43,400 रुपये यानी कुल 86,800 रुपये का आहरण किया गया है। सरकारी नियमों के मुताबिक एक बिल नंबर पर केवल एक ही बार भुगतान हो सकता है, लेकिन यहाँ एक ही बिल को दोबारा स्कैन करके अपलोड किया गया और सरकारी पैसे का गबन कर लिया गया।

संलग्न बिलों से उजागर होते फर्जीवाड़े के सबूत: ई-ग्राम स्वराज पोर्टल से प्राप्त साक्ष्य इस महाघोटाले की पुष्टि करते हैं: इन दोनों फाइलों में 'संस्कार ट्रेडर्स' का बिल नंबर 225 स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिसमें सिंटेक्स, डस्टबीन, फावड़ा और तसले के नाम पर 43,400 रुपये की राशि अंकित है। इसी एक ही बिल को दो बार उपयोग में लाकर दोहरा भुगतान प्राप्त किया गया2. इसमें 'चिन्ताराम साहू' के नाम से जारी बिल नंबर 219 (दिनांक 25/09/25) में मुरुमीकरण कार्य के नाम पर 14,400 रुपये का भुगतान लिया गया है। इसमें 'चिन्ताराम साहू' के ही बिल नंबर 214 (दिनांक 15/09/25) के तहत रंगमंच शेड मरम्मत कार्य के नाम पर सीधे 78,300 रुपये का भारी-भरकम आहरण किया गया है. यहाँ बिल नंबर 216 (दिनांक 30/08/25) के जरिए पंचरी जीर्णोद्धार कार्य दिखाकर सीमेंट, रेत और गिट्टी के नाम पर 29,000 रुपये निकाले गए हैं।5. इसमें बिल नंबर 207 (दिनांक 18/09/25) द्वारा शासकीय भवन मरम्मत कार्य के नाम पर 15,300 रुपये का आहरण दिखाया गया है। इन सभी बिलों पर ग्राम पंचायत अमलडीहा के सचिव और सरपंच पुनीमती के हस्ताक्षर और सील (मुहर) स्पष्ट रूप से अंकित हैं, जो प्रमाणित करते हैं कि यह पूरा खेल अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के संरक्षण में खेला गया है।

जांच और कार्रवाई की मांग– एक ही बिल नंबर (225) को दो बार लगाकर राशि निकालना और बिना वैध दुकानों के लाखों रुपये के फर्जी बिलों का भुगतान करना सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और गबन का मामला है। ग्रामीणों ने मिडिया के माध्यम से जिला प्रशासन, सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) जनपद पंचायत से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय भौतिक और वित्तीय जांच कराई जाए, ताकि अमलडीहा पंचायत में चल रहे इस भ्रष्टाचार के सिंडिकेट का भंडाफोड़ हो सके और दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई व राशि की वसूली की जा सके।

बांदे में 'पांच पैर वाले नंदी बैल' और 'स्वयं सुंदरी भस्म' के नाम पर ठगी

अंधविश्वास फैलाकर ठगी करने वाले महाराष्ट्र के शातिर गिरोह को बांदे पुलिस ने दबोचा, 4.96 लाख नकद और पिकअप वाहन जब्त

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:-कांकेर जिले के थाना बांदे अंतर्गत अंधविश्वास फैलाकर और घर में गड़ा हुआ सोना निकालने का झांसा देकर 5 लाख रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के नागपुर और गढ़चिरौली क्षेत्रों से कुल 06 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से ठगी गई रकम में से 4,96,000 रुपये नकद और एक पिकअप वाहन बरामद किया गया है। यह पूरी प्रभावी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर राकेश कुर्रे एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पखांजूर रवि कुजूर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बांदे रामचंद्र साहू के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई है। घटना के विवरण के अनुसार, प्रार्थी बलराम सरकार, पिता स्वर्गीय नरेन सरकार (उम्र 53 वर्ष), निवासी पीव्ही-104 दीपनगर, थाना बांदे, जिला कांकेर ने थाने में उपस्थित होकर एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि दिनांक 17.05.2026 को दोपहर लगभग 12 बजे एक अज्ञात व्यक्ति साधु के वेश में पांच पैर वाले नंदी बैल के साथ उसके घर भीख मांगने आया था। प्रार्थी ने नंदी बैल को आलू खिलाकर 20 रुपये दान दिए। इस दौरान उक्त व्यक्ति ने परिवार की बीमारी दूर करने का आशीर्वाद देने की बात कही और बताया कि उसके घर में सोना गड़ा हुआ है, जिसे निकाले बिना परिवार की बीमारी दूर नहीं होगी। आरोपी ने सोना निकालने के लिए ÷स्वयं सुंदरी भस्म÷ नामक महंगी दवा खरीदने की सलाह दी और अपना मोबाइल नंबर 9325441562 दिया। इसके बाद आरोपी के कहने पर प्रार्थी गढ़चिरौली पहुंचा, जहां उसे कारगिल चौक, गोधनकर कॉम्प्लेक्स,चंद्रपुर रोड स्थित ÷मां जमुना आयुर्वेदिक दुकान÷ ले जाया गया। वहां दुकानदार से 52,000 रुपये देकर एक ग्राम ÷स्वयं सुंदरी भस्म÷ खरीदी गई।

ठगी का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका; दिनांक 02.06.2026 को आरोपी दो अन्य व्यक्तियों के साथ कार से प्रार्थी के घर पहुंचे। रात में पूजा-पाठ कर घर से एक छोटा कल निकालकर उसमें सोने जैसी वस्तु दिखाकर उसे लाल कपड़े में बांध दिया गया तथा प्रार्थी को डराया गया कि बिना अनुमति कलश खोलने पर परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाएगी।

इसके बाद आरोपियों ने ÷नव जीवन अमृत भस्म÷ नामक और भी महंगी दवा खरीदने का दबाव बनाया। प्रार्थी द्वारा आर्थिक स्थिति कमजोर होने की बात कहने पर आरोपी दो ग्राम दवा खरीदने पर सहमत हुए। प्रार्थी ने 4,44,000 रुपये देकर उक्त दवा खरीदी और आरोपियों के निर्देश पर उसे पूजा स्थल के गड्ढे में डाल दिया। जब आरोपी लगातार तीन ग्राम और अतिरिक्त दवा खरीदने का दबाव बनाने लगे, तब प्रार्थी को संदेह हुआ। उसने जब कलश खोलकर देखा तो उसमें सोने के रंग की 21 मूर्तियां थीं, जो घिसने पर पीतल की निकलीं। इस प्रकार आरोपियों एवं दुकानदार द्वारा भय दिखाकर कुल 5,00,000 रुपये की ठगी की गई, जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और उसने थाना बांदे में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल साइबर सेल कांकेर की मदद से तकनीकी साक्ष्यों एवं लोकेशन के आधार पर महाराष्ट्र राज्य में दबिश दी। संयुक्त पुलिस टीम ने नागपुर एवं गढ़चिरौली क्षेत्र से कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में भोला गवते (उम्र 40 वर्ष), मुकेश सोनेश्वर (उम्र 31 वर्ष), लीलाधर शिवाजी वाघमारे उर्फ नीलेश (उम्र 35 वर्ष), परमेश्वर एकनाथ उर्फ देवा (उम्र 37 वर्ष), और दिनेश सोनेश्वर (उम्र 30 वर्ष) शामिल हैं, जो थाना मोहपा, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) के निवासी हैं। वहीं, एक अन्य आरोपी शिवागिरी पिता सुरेश गिरी (उम्र 28 वर्ष) निवासी गोसाई मोहल्ला, थाना गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी भोला गवते से 70,000 रुपये एवं पिकअप वाहन, मुकेश सोनेश्वर से 76,000 रुपये, शिवा से 50,000 रुपये, दिनेश से 1,00,000 रुपये, निलेश से 1,00,000 रुपये और देवा से 1,00,000 रुपये, इस तरह कुल 4,96,000 रुपये की नकद रकम बरामद की है। इस पूरी सफल कार्रवाई में निरीक्षक रामचंद्र साहू (थाना प्रभारी बांदे), प्रशिक्षु उप निरीक्षक विवेक वर्मा, सहायक उप निरीक्षक राजकुमार सिन्हा, प्रधान आरक्षक सूर्यदेव कुंजाम, आरक्षक यशवंत मंडावी, नरोत्तम कुलदीप तथा साइबर सेल कांकेर से निरीक्षक यशवंत श्याम, प्रधान आरक्षक नारद सिंह देवांगन, आरक्षक जितेन्द्र नाग एवं भूपेश नेताम की अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही।

संपादकीय

वेनेजुएला : भूकंप की विनाशलीला

दक्षिणी अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए भयंकर भूकंप से हुई विनाशलीला दिल दहला देने वाली है। वहां भूकंप के एक के बाद एक झटके आए, जोकि अपने आप में बहुत विरल माना जाता है। भयानक भूकंप से इस देश की राजधानी कराकस समेत कई शहर तबाह हो गए हैं। वहां गुरुवार को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों से तबाही मच गई। महज 40 सेकेंड में राजधानी कराकास की ऊंची इमारतें मलबे के ढेर में बदल गईं। अब तक इस हादसे में 235 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 4300 से घायल हैं। वेनेजुएला सरकार के मुताबिक 39 हजार से अधिक लोग लापता हैं। कई लोग मलबे के अंदर दबे हुए हैं। जिन्हें निकालने का काम बचाव टीमें कर रही हैं। भूकंप से मरने वालों की संख्या अनुमानित से कहीं ज्यादा हो सकती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वेनेजुएला में भूकंप के बाद 30 आफ्टर शॉक्स भी इतनी तेजी से आए कि बहुत से लोगों को जूते पहनने का भी नहीं मिला मौका। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने आगे बताया कि क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और घरों के पुनर्निर्माण में मदद के लिए इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ़) से 20 करोड़ डॉलर का फ़ंड बनाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लगी पाबंदी हटा दी गई है। लोग सोशल मीडिया की ओर शिफ्ट कर रहे हैं और लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। वैसे भी भूकंप कभी कह कर नहीं आता। लेकिन इस प्रमुख तेल उत्पादक देश में 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है। इस भूंकप की विनाशकता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिगेज ने कहा कि शहर में 'दर्जनों' इमारतें ढह गई हैं। उन्होंने ला ग्वेइरा को 'आपदा क्षेत्र' और 'वास्तविक त्रासदी' बताया। इसके अलावा मिरांडा, अरागुआ, काराबोबो और फाल्कोन राज्य भी भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। एक और अहम बात यह है कि वेनेजुएला में भूकंप के दो झटके आए, उन्हें जुड़वा भूकंप कहा जाता है। जब कभी एक ही फॉल्ट लाइन पर दो बार प्लेटों के टूटने से एनर्जी निकलती है और दोनों बार बड़े भूकंप आते हैं। इनका एपिसेंटर यानी उद्गम केंद्र एक-दूसरे के बहुत करीब होता है। जुड़वा भूकंपों के बीच कुछ सेकेंड से लेकर कई सालों का अंतर हो सकता है। वेनेजुएला में ये महज 38 सेकेंड के भीतर आ गया। इस बीच देश में आपातकाल लगा दिया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड्रिगेज से बात कर मानवीय आधार पर मदद की पेशकश की है। दरअसल यह लातिनी अमेरिकी देश पिछले कुछ महीनों से काफी उथल-पुथल से गुज़र रहा है। इसी साल की शुरुआत में अमेरिका ने वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था और उन पर मुक़दमा चलाने के लिए उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया। तबसे वेनेजुएला का कामकाज रोड्रिगेज़ कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर मादुरो की सहयोगी और पूर्व उप राष्ट्रपति डेल्सी संभाल रही हैं। वेनेजुएला में यह भूकंप 'गरीबी में आटा गीला' जैसी स्थिति है। कार्यवाहक राष्ट्रपति पहले ही अमेरिका के दबाव में काम कर रही है।

क्या आपका बच्चा भी स्कूल के खेल दिवस ,दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं।

बच्चा चुनौतियों से भाग रहा है या डर रहा है? पैरेंट्स सिखाएं साहस का असली मतलब

(रेनू तिवारी)

दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। क्या आपका बच्चा भी स्कूल के खेल दिवस ,दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। कई बच्चों के लिए ऐसे मौके गहरी चिंता, घबराहट और मानसिक दबाव का कारण बन जाते हैं। उनके मासूम मन में कई तरह के डरावने सवाल उठते हैं– 'अगर मैं सबसे पीछे रह गया तो?', 'अगर सब मेरा मज़ाक उड़ाएंगे तो?', 'अगर मुझसे कोई गलती हो गई तो?' ऐसे समय में पैरेंट्स एक अजीब कशमकश में फंस जाते हैं। बहुत ज्यादा दबाव डालने पर सुबह का माहौल तनावपूर्ण हो जाता है, वहीं बच्चे को घर पर रुकने की छूट देने पर यह चिंता सताती है कि कहीं हम उसे चुनौतियों से भागना तो नहीं सिखा रहे? आइए समझते हैं कि इस स्थिति को समझदारी और संवेदनशीलता से कैसे संभालें।

डर से भागना समस्या को और बढ़ाता है-साइकोलॉजी क्या कहती है? – जब हम किसी ऐसी चीज़ से बचते हैं जिससे हमें डर लगता है, तो हमारे दिमाग को तुरंत राहत महसूस होती है। यह तात्कालिक राहत बहुत असरदार होती है, जो बच्चे के मस्तिष्क को यह गलत संदेश देती है कि चुनौती से बचना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है। डर का चक्र-समय के साथ डर और ज्यादा बड़ा होता जाता है और उससे भागने की प्रवृत्ति मजबूत हो जाती है। इसीलिए बच्चों के लिए यह बेहतर है कि वे अपने डर का सामना जल्द करें, इससे पहले कि वह उनकी आदत बन जाए। नोट- इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि बच्चे को उसकी घबराहट के बावजूद जबरन किसी मुश्किल स्थिति में धकेल दिया जाए। अत्यधिक दबाव उसके मन में इस डर को स्थायी बना सकता है।

परेशानी की असल वजह को पहचानें – अगर आपको पहले से अंदेशा है कि स्कूल में कोई ऐसा कार्यक्रम है जिससे बच्चा असहज हो सकता है, तो पहले ही शांत माहौल में उससे बात करें। सहज तरीके से यह समझने की कोशिश करें कि वह वास्तव में किस बात से डर रहा है

क्या पिछली बार उसके साथ कुछ बुरा हुआ था?

क्या दोस्तों या क्लासमेट्स से जुड़ी कोई परेशानी है?

क्या उसे असफल होने या मज़ाक उड़ाए जाने का डर है?

टिप- बच्चों से हमेशा आमने-सामने बैठकर बात करने के बजाय सोने से पहले, टहलते समय या गाड़ी में सफर के दौरान बात करें। जब सीधा आंखों का संपर्क नहीं होता, तो बच्चे अपनी कठिन भावनाओं को ज्यादा आसानी से व्यक्त कर पाते हैं। तुरंत यह न कहें कि चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा–इससे बच्चे को लगता है कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। उसकी भावनाओं को स्वीकार करें समाधान सुझाने से पहले बच्चे को यह महसूस कराएं कि उसका डरना बिल्कुल स्वाभाविक है। आप कह सकते हैं, मैं समझ सकता हूँ कि यह बात अभी तुम्हें बहुत बड़ी लग रही है। ऐसे में चिंतित होना बिल्कुल नॉर्मल है। इसके बाद थोड़ा मौन रहें, यदि बच्चा रोता है तो उसे रोने दें। उसे गले लगाकर कहें, यह सचमुच मुश्किल लग रहा है, लेकिन हम साथ हैं।

मिलकर बनाएं माइक्रो-प्लान – बच्चे के साथ मिलकर एक ऐसी योजना बनाएं जो उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराए। उससे पूछें, वहां जाना थोड़ा आसान कैसे हो सकता है? ऐसा कौन सा छोटा कदम है जिसे तुम संभाल सकते हो? यदि वह दौड़ने से डरता है, तो उसे दौड़ने के बजाय केवल पैदल चलकर रेस पूरी करने का विकल्प दें।यदि वह स्टेज पर बोलने से डरता है, तो पूरी क्लास के बजाय पहले किसी एक भरोसेमंद टीचर को अपना भाषण सुनाने की योजना बनाएं।शुरुआत में केवल कार्यक्रम में उपस्थित रहना और दूसरों को देखना भी एक बड़ा कदम हो सकता है।

कार्यक्रम या प्रतियोगिता वाले दिन क्या करें? – शांत रहें- उस दिन सुबह शांत भाव से उसे पहले हुई बातचीत और बनाई गई योजना की याद दिलाएं। दबाव न डालें- आप कह सकते हैं, स्कूल जाने का समय हो गया है। मुझे पता है कि यह आसान नहीं है और तुम्हारा मन वहां जाने का नहीं कर रहा है। साथ होने का अहसास- उसकी पीठ पर हल्का हाथ रखना या सिर्फ इतना कहना, मैं तुम्हारे साथ हूँ, बच्चे को बहुत हिम्मत देता है। साहस का मतलब डर का न होना नहीं है, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ पाना है।

क्या पिछली बार कुछ बुरा हुआ था? – क्या दोस्तों से जुड़ी कोई परेशानी है? क्या उसे असफल होने, दूसरों के फैसले का सामना करने या मजाक उड़ाए जाने का डर है? आप कह सकते हैं, ''जब पापा ने खेल दिवस का जिक्र किया था, तब मैंने देखा कि तुम अचानक चुप हो गए थे। क्या इसकी कोई बात तुम्हें परेशान कर रही है?'' बच्चे हमेशा तुरंत अपने मन की बात शब्दों में नहीं कह पाते, इसलिए उन्हें समय दें। अक्सर आमने-सामने बैठकर बात करने के बजाय सोने से पहले, टहलते समय या साथ गाड़ी में सफर करते हुए ऐसी बातचीत करना ज्यादा आसान होता है। आंखों में सीधा संपर्क न होने पर बच्चों को कठिन भावनाओं के बारे में सोचना और बताना अपेक्षाकृत आसान लगता है। कोशिश करें कि तुरंत यह न कहें, ''सब ठीक हो जाएगा'' या ''चिंता की कोई बात नहीं है''। बच्चे को यह लग सकता है कि उसकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। कई बार सिर्फ ध्यान से सुनना ही बच्चे को खुलकर बात करने में मदद करता है। उसकी भावना को स्वीकार करें जब आपको स्थिति की कुछ समझ हो जाए, तो समाधान सुझाने से पहले बच्चे को यह महसूस कराएं कि उसकी भावना स्वाभाविक है। जब बच्चों को लगता है कि उनकी बात सुनी गई है, तब वे समाधान के बारे में सोचने के लिए ज्यादा तैयार होते हैं। आप कह सकते हैं, ''मैं समझ सकता हूं कि यह बात अभी तुम्हें बहुत बड़ी लग रही है। ऐसे में चिंतित होना बिल्कुल स्वाभाविक है।'' इसके बाद कुछ क्षण चुप रहें। संभव है बच्चा रोने लगे। कई बार डर और चिंता को समझने तथा स्वीकार करने की प्रक्रिया का यह भी हिस्सा होता है। यही वह समय होता है जब माता-पिता का मन बच्चे को तुरंत बचाने या ढांढस बंधाने का करता है। लेकिन इसके बजाय उसके साथ बने रहने की कोशिश करें। आप उसे गले लगाकर बस इतना कह सकते हैं, ''यह सचमुच मुश्किल लग रहा है।'' फिर मिलकर योजना बनाएं अब बच्चे की मदद करें ताकि वह सोच सके कि किसी गतिविधि में शामिल होने का ऐसा कौन-सा तरीका हो सकता है जो उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराए। आप पूछ सकते हैं, ''तुम्हें क्या लगता है, वहां जाना थोड़ा आसान कैसे हो सकता है? ऐसा कौन-सा छोटा कदम है जिसे तुम संभाल सकते हो?'' संभव है वह दौड़ने के बजाय क्रॉस-कंट्री में पैदल चलना चाहे, या पूरी कक्षा के सामने बोलने से पहले अपना भाषण किसी भरोसेमंद शिक्षक को सुनाना चाहे। कभी-कभी शुरुआत में केवल कार्यक्रम में उपस्थित रहना और दूसरों को देखना भी एक अच्छा कदम हो सकता है। कुछ मामलों में शिक्षक से भी बात करना उपयोगी रहता है, ताकि स्कूल और घर दोनों जगह एक जैसी योजना पर काम हो सके। उद्देश्य यह नहीं है कि बच्चा शानदार प्रदर्शन करे, बल्कि यह है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार भागीदारी कर सके। जल्दबाजी या दबाव से बचें। अगर बच्चा कहे, ''मुझे नहीं पता'', तो यह स्वीकार करें कि चिंता की स्थिति में सोचना मुश्किल होता है। कई बार थोड़ी देर का विराम लेकर बाद में विकल्पों पर चर्चा करना बेहतर रहता है। कार्यक्रम वाले दिन क्या करें उस दिन शांत भाव से उसे पहले हुई बातचीत और योजना की याद दिलाएं। आप कह सकते हैं, ''चलने का समय हो गया है। मुझे पता है कि यह आसान नहीं है और तुम्हारे मन में अब भी वहां जाने के लिए मना कर रहा है।'' अगर बच्चा परेशान हो जाए, तो उसके साथ बने रहें और उसकी भावनाओं को समझें। आपको हर समस्या का तुरंत समाधान ढूंढ़ने या उसे जल्दी संभालने की जरूरत नहीं है। पीठ पर हल्का हाथ रखना या सिर्फ इतना कहना, ''मैं तुम्हारे साथ हूं'', अक्सर काफी होता है। बच्चों को कई बार अपने डर को महसूस करने की जरूरत होती है, तभी वे उससे आगे बढ़ पाते हैं। यहीं से साहस पैदा होता है। साहस का मतलब डर का न होना नहीं है, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ पाना है। जब बच्चे यह अनुभव करते हैं कि वे अपनी चिंताओं के साथ भी किसी गतिविधि में हिस्सा ले सकते हैं, तो चुनौतियों का सामना करने की उनकी क्षमता पर विश्वास बढ़ने लगता है। क्या कभी बच्चे की इच्छा के अनुसार चलना ठीक है? कुछ परिस्थितियों में हां। अगर बच्चा बहुत ज्यादा परेशान है, तो कभी-कभी एक कदम पीछे हटना उसे दोबारा नियंत्रण महसूस करने में मदद कर सकता है। किसी एक अवसर पर भाग न लेना कोई बड़ी समस्या नहीं है। बच्चों को कुछ चीजें पसंद न हों, यह भी स्वाभाविक है। चिंता तब होती है जब यह एक आदत बन जाए–जब बच्चा बार-बार बचने लगे या उन गतिविधियों से भी दूर रहने लगे जिन्हें वह वास्तव में करना चाहता है। अगर वह परेशान किए जाने (बुलिंग) का डर महसूस कर रहा है तो हो सकता है उसके साथ कुछ बुरा अनुभव रहा हो, तो किसी मनोवैज्ञानिक से परामर्श लेना उपयोगी हो सकता है। उपलब्धि और भागीदारी को लेकर घर में कैसी सोच विकसित करें बच्चे को किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करने वाली अधिकांश बातें कार्यक्रम वाले दिन नहीं, बल्कि घर की रोजमर्रा की बातचीत में होनी चाहिए। यह धीरे-धीरे ऐसी सोच विकसित करने का विषय है जिसमें बच्चा समझे कि हर बार जीतना, सबसे बेहतर होना या बिल्कुल सही करना जरूरी नहीं है। कुछ बातें बार-बार दोहराना उपयोगी होता है। पहली बात, हर व्यक्ति का शरीर और मस्तिष्क अलग होता है। कुछ काम किसी को आसानी से आते हैं, तो किसी को नहीं। अलग होना सामान्य बात है और इसकी तुलना करने के बजाय इसकी सराहना की जानी चाहिए। आप कह सकते हैं, ''आज मैंने अपने सहकर्मी पेनी से बहुत कुछ सीखा। उन्हें पर्यावरण के बारे में बहुत जानकारी है।'' दूसरी बात, कौशल जन्मजात नहीं बल्कि अभ्यास का परिणाम होता है। बच्चे अक्सर सोचते हैं कि खेल, संगीत या मंच पर प्रदर्शन जैसी चीजें केवल प्रतिभा पर निर्भर हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि क्षमता अभ्यास से विकसित होती है। जो बच्चा रोज खेलता है, उसके लिए खेल दिवस पर दौड़ना आसान होगा, क्योंकि उसने उसके लिए मेहनत की है, केवल इसलिए नहीं कि वह जन्म से ही ऐसा था। तीसरी बात, बच्चों को दूसरों से तुलना करने के बजाय अपने पुराने प्रदर्शन की तुलना खुद से करना सिखाएं। लक्ष्य निडर बच्चा बनाना नहीं है वास्तविक लक्ष्य बच्चे में ऐसे गुण विकसित करना है जो धीरे-धीरे और छोटे-छोटे कदमों के माध्यम से यह सीख सके कि वह कठिन काम कर सकता है, और यह कि उसके बगल में खड़े बच्चे से अलग होना जीवन का एक सामान्य और स्वीकार्य हिस्सा है।

घरेलू मोर्चे पर झटके खा रहे ट्रंप पर पड़े असर के राजनीतिक व कूटनीतिक मायने

(कमलेश पांडे)

उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हाल के दिनों में घरेलू मोर्चे पर दो बड़े झटके लगे हैं, जिनका असर उनकी राजनीतिक ताकत, चुनावी रणनीति और राष्ट्रपति पद की सीमाओं पर पड़ सकता है। लिहाजा विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी इन घटनाओं का असर लाजिमी है। पहले हम बात करते हैं, उन दो बड़े झटके का-जहां पहला झटका- मतदान संबंधी आदेश पर अदालत की रोक का है, वहीं दूसरा झटका राष्ट्रपति की शक्तियों पर बढ़ता न्यायिक अंकुश है। उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की कई नीतियां–जैसे व्यापक टैरिफ, दूसरी प्रशासनिक एजेंसियों पर नियंत्रण और कुछ आव्रजन कदम–अदालतों में चुनौती का सामना कर रही हैं। गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को खारिज करते हुए कहा कि कराधान और शुल्क निर्धारण का मूल अधिकार कांग्रेस के पास है। इसे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे पर बड़ा आघात माना गया। यह स्थिति दुनिया के अघोषित थानेदार के लिए उचित नहीं है। इसके निम्नलिखित राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं– पहला, मजबूत राष्ट्रपति की छवि को चुनौती- ट्रंप ने स्वयं को एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है जो तेज़ी से निर्णय लेकर व्यवस्था बदल सकते हैं। अदालतों द्वारा बार-बार हस्तक्षेप होने से उनके समर्थकों के बीच यह धारणा बन सकती है कि संस्थागत ढांचा उनकी नीतियों को रोक रहा है। दूसरा, रिपब्लिकन आधार का और ध्रुवीकरण- ट्रंप इन फैसलों को न्यायिक सक्रियता या डीप स्टेट की बाधा बताकर अपने समर्थकों को और अधिक संगठित करने की कोशिश कर सकते हैं।

इससे रिपब्लिकन मतदाता आधार में लामबंदी बढ़ सकती है। तीसरा, डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक अवसर- डेमोक्रेट्स इन घटनाओं को संवैधानिक संस्थाओं की जीत और सत्ता के केंद्रीकरण पर अंकुश के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे वे 2026 के मध्यावधि चुनावों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा का मुद्दा उठा सकते हैं। चौथा, कांग्रेस बनाम राष्ट्रपति की बहस तेज- टैरिफ और चुनावी नियमों पर आए फैसलों ने यह संदेश दिया है कि अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति की शक्तियां असीमित नहीं हैं। इससे कार्यपालिका और कांग्रेस के बीच अधिकारों की खींचतान और बढ़ सकती है। पांचवां, 2026 मध्यावधि चुनावों पर प्रभाव- यदि ट्रंप अपनी प्रमुख नीतियों को लागू कराने में कठिनाई महसूस करते हैं, तो विपक्ष इसे प्रशासनिक विफलता बताएगा। वहीं ट्रंप समर्थक इसे व्यवस्था बनाम जनता की लड़ाई के रूप में प्रचारित कर सकते हैं। इसलिए ये झटके राजनीतिक रूप से नुकसान भी पहुंचा सकते हैं और ट्रंप के लिए सहानुभूति भी पैदा कर सकते हैं। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि ये दोहरे झटके केवल कानूनी पराजय नहीं हैं। इनके केंद्र में अमेरिकी संविधान में राष्ट्रपति, कांग्रेस और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन है। आने वाले महीनों में यह संघर्ष अमेरिकी राजनीति का प्रमुख विषय बन सकता है और 2026 के मध्यावधि चुनावों की दिशा भी प्रभावित कर सकता है। खास बात तो यह कि घरेलू मोर्चे पर ट्रंप की शक्तियों को मिले इन झटकों का प्रभाव केवल अमेरिकी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी दूरगामी असर डाल सकता है। पहला, अमेरिकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न- जब किसी राष्ट्रपति की प्रमुख नीतियां अदालतों या संस्थागत बाधाओं से रुकती हैं, तो सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी दोनों देशों के मन में यह सवाल उठता है कि अमेरिका की घोषित नीतियां कितनी स्थायी हैं। इससे अमेरिकी वादों और समझौतों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। दूसरा, टैरिफ कूटनीति की धार कमजोर- ट्रंप ने व्यापार शुल्क (टैरिफ) को विदेश नीति के एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को सीमित किए जाने से चीन, यूरोपीय संघ, भारत, कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों पर दबाव बनाने की उनकी क्षमता कम हुई है। तीसरा, चीन को रणनीतिक अवसर- यदि अमेरिकी राष्ट्रपति की आर्थिक और व्यापारिक शक्ति सीमित होती है, तो चीन स्वयं को अधिक स्थिर और दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों में चीन की कूटनीतिक सक्रियता बढ़ सकती है। चौथा, यूरोप और भारत की सौदेबाजी क्षमता बढ़ेगी- यूरोपीय देशों और भारत जैसे उभरते देशों को यह संकेत मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अकेले बड़े व्यापारिक फैसले लागू नहीं कर सकते। इससे भविष्य की व्यापार वार्ताओं में इन देशों की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

रुस-यूक्रेन वार में पलट गया खेल, पुतिन के गढ़ में घुसकर हमले कर रहा यूक्रेन, दुनिया हैरान

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूक्रेन ने न केवल रूस के सीमावर्ती इलाकों बल्कि राजधानी मॉस्को के भीतर तक अपनी पहुंच साबित कर दी है। जिस क्रेमलिन से राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पूरे रूस का शासन चलाते हैं, उसके आसपास तक ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई देने लगी है। साथ ही मॉस्को पर हुए बड़े ड्रोन हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध अब केवल मोर्चों पर नहीं बल्कि रूस के दिल तक पहुंच चुका है।

(नीरज कुमार दुबे)

रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन की ओर से भेजे गए उनसठ ड्रोन राजधानी की तरफ बढ़ रहे थे जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। हालात इतने गंभीर हो गए कि मॉस्को के चारों प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूक्रेन ने न केवल रूस के सीमावर्ती इलाकों बल्कि राजधानी मॉस्को के भीतर तक अपनी पहुंच साबित कर दी है। जिस क्रेमलिन से राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पूरे रूस का शासन चलाते हैं, उसके आसपास तक ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई देने लगी है। साथ ही मॉस्को पर हुए बड़े ड्रोन हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध अब केवल मोर्चों पर नहीं बल्कि रूस के दिल तक पहुंच चुका है।

राजधानी बचाने उतरा रूस – रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन की ओर से भेजे गए उनसठ ड्रोन राजधानी की तरफ बढ़ रहे थे जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। हालात इतने गंभीर हो गए कि मॉस्को के चारों प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। विमानन विभाग ने कहा कि यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा के लिए यह कदम जरूरी था। राजधानी के लोगों ने रातभर धमाकों की आवाजें सुनीं और कई इलाकों में भय का माहौल बन गया। रूस के लिए यह केवल सुरक्षा चुनौती नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि यूक्रेन अब सीधे उस सत्ता केंद्र तक खतरा पैदा कर रहा है जहां से पुतिन युद्ध संचालन कर रहे हैं।

हमले बढ़ा रहा यूक्रेन – यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूस की ऊर्जा व्यवस्था को भी निशाना बनाया है। मॉस्को और अन्य शहरों की तेल रिफाइनरियों पर लगातार हमले किए गए हैं। यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण कई तेल संयंत्रों का कामकाज प्रभावित हुआ और कुछ स्थानों पर ईंधन आपूर्ति बाधित हो गई।

अमेरिकी ऊर्जा अनुसंधान संस्थाओं के अनुसार रूस की लगभग एक तिहाई तेल शोधन क्षमता पर असर पड़ा है। रूस जैसे बड़े ऊर्जा उत्पादक देश में पेट्रोल की कमी दिखाई देना अपने आप में असाधारण स्थिति मानी जा रही है। कुछ इलाकों में पेट्रोल की बिक्री सीमित करनी पड़ी जबकि ईंधन निर्यात पहले ही रोका जा चुका है।

सबसे गंभीर स्थिति रूस के कब्जे वाले क्रीमिया क्षेत्र में दिखाई दे रही है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों में कर्च शहर के तेल भंडार और क्रास्नोदार क्षेत्र के ईंधन परिवहन केंद्रों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कई लोगों की मौत और दर्जनों के घायल होने की खबर है। क्रीमिया प्रशासन ने आम नागरिकों को पेट्रोल बिक्री रोक दी है और केवल सरकारी सेवाओं को ही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोग पेट्रोल के लिए परेशान नजर आ रहे हैं जबकि कुछ लोग बाजार कीमत से दोगुने दाम पर ईंधन बेचते दिखे।

उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इन कार्रवाइयों को रूस की ऊर्जा व्यवस्था के खिलाफ लंबी दूरी की रणनीतिक कार्रवाई बताया। उनका कहना है कि रूस केवल ताकत की भाषा समझता है और यूक्रेन अब वही भाषा इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेन का दावा है कि इन हमलों का उद्देश्य रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करना है, क्योंकि तेल और ईंधन से होने वाली कमाई का इस्तेमाल रूस युद्ध संचालन में कर रहा है।

पूर्वी यूक्रेन में रूस की बढ़त – इसके अलावा, जहां एक ओर यूक्रेन रूस के भीतर गहरे हमले कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पूर्वी यूक्रेन में रूस की सेना लगातार आगे बढ़ रही है। डोनबास क्षेत्र का महत्वपूर्ण शहर कोस्त्यांतिनिवका इस समय युद्ध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। यूक्रेनी सैनिकों के अनुसार रूसी सैनिक शहर के भीतर तक घुस चुके हैं और अब उसे चारों तरफ से घेरने की कोशिश कर रहे हैं। यह शहर रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद रूस के लिए क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क जैसे प्रमुख शहरों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

यूक्रेनी ड्रोन संचालकों का कहना है कि शहर अब लगभग धुंधले नियंत्रण क्षेत्र में बदल गया है जहां किसी एक पक्ष का पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। रूसी सैनिक इमारतों और पेड़ों का सहारा लेकर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। यूक्रेनी सेना के सामने सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों और सैनिकों की कमी है। कई सैनिकों ने स्वीकार किया कि उन्हें पर्याप्त सहायता नहीं मिल रही और रूसी सेना लगातार दबाव बना रही है।

देखा जाये तो रूस की रणनीति अब केवल सीधे हमले तक सीमित नहीं है। रूसी ड्रोन इकाइयां यूक्रेनी ड्रोन प्रक्षेपण स्थलों को नष्ट करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं ताकि यूक्रेन की निगरानी और जवाबी कार्रवाई कमजोर हो सके। यूक्रेनी सैनिकों का कहना है कि यदि उन्होंने अपनी रणनीति नहीं बदली तो रूस धीरे-धीरे और इलाकों पर कब्जा करता जाएगा।

यूक्रेन-पोलैंड के बीच विवाद बढ़ा – उधर, युद्ध का असर केवल सैन्य मोर्चों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीतिक संबंधों पर भी दिखाई दे रहा है। पोलैंड और यूक्रेन के बीच दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े ऐतिहासिक मुद्दों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पोलैंड के राष्ट्रपति कारोळ नावरोत्स्की ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च सम्मान वापस ले लिया है। इसके विरोध में यूक्रेन के कई पूर्व राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं ने अपने पोलिश सम्मान लौटा दिए। दरअसल, विवाद उस यूक्रेनी सैन्य इकाई के नाम को लेकर है जिसे ऐसे राष्ट्रवादी संगठन के नाम पर रखा गया जिस पर दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलिश नागरिकों के नरसंहार का आरोप है।

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने इस टकराव को दोनों देशों के लिए खतरनाक बताया है। उनका कहना है कि ऐसे विवाद व्यापार, भू राजनीति और दोनों देशों की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाएंगे। वहीं जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और पोलैंड मित्र बने रहेंगे और दोनों देशों के बीच टकराव केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा।

बहरहाल, इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि रूस और यूक्रेन का युद्ध अब केवल सीमावर्ती संघर्ष नहीं रह गया है। यूक्रेन ने मॉस्को तक पहुंच कर रूस को चौंका दिया है, जबकि रूस पूर्वी यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को और तेज कर रहा है।

ऊर्जा संकट, ड्रोन युद्ध, राजनीतिक तनाव और नागरिकों की बढ़ती परेशानियां इस संघर्ष को और अधिक जटिल बना रही हैं इसलिए अब केवल रूस और यूक्रेन ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया इस युद्ध के अंत का इंतजार कर रही है। हालांकि मौजूदा हालात देखकर ऐसा लगता है कि पुतिन और जेलेंस्की, दोनों ही पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। साथ ही दुनिया के कई देशों की युद्ध आधारित अर्थव्यवस्था और हथियार उद्योग भी इस संघर्ष को जल्दी खत्म होने देने के पक्ष में दिखाई नहीं देते। ऐसे में शांति की उम्मीद फिलहाल दूर ही नजर आ रही है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

12 टन इमली की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 94 किलो गांजा, डोंगरीपाली पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करों को दबोचा

24.40 लाख रुपये का मशरूका जब्त, झारखंड और मध्य प्रदेश के आरोपी गिरफ्तार, उड़ीसा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रही थी खेप

बरमकेला/मूक पत्रिका

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डोंगरीपाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 94 किलो अवैध गांजा के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्कर बेहद शातिर तरीके से गांजा को ट्रक में लोड लगभग 12 टन इमली की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे, ताकि पुलिस और जांच एजेंसियों को इसकी भनक तक न लगे। लेकिन पुलिस की सतर्कता और सटीक मुखबिर सूचना के चलते पूरा षड्यंत्र विफल हो गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गांजा, तस्करी में प्रयुक्त आयशर ट्रक और तीन मोबाइल फोन सहित लगभग 24.40 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय के निर्देशन तथा एसडीओपी संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में थाना डोंगरीपाली प्रभारी भगवती प्रसाद कुर्रे के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों पर विशेष नजर रखे हुए थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि उड़ीसा की ओर से एक आयशर ट्रक में भारी मात्रा में अवैध गांजा छिपाकर उत्तर प्रदेश की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई और सुहेला-बरमकेला मुख्य मार्ग स्थित ग्राम डोंगरीपाली मोड़ के पास घेराबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। कुछ समय बाद मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए का आयशर ट्रक क्रमांक क्क30-छ्रञ्ज-5256 वहां पहुंचा। पुलिस ने ट्रक को रोककर चालक से पूछताछ की और दस्तावेजों की जांच की। प्रारंभिक निरीक्षण में ट्रक पूरी तरह इमली की बोरियों से भरा हुआ दिखाई दिया। ट्रक में करीब 12 टन इमली लोड थी, जिससे पहली नजर में किसी को भी अवैध सामान होने का संदेह नहीं हो सकता था। हालांकि पुलिस को पहले से मिली सूचना के आधार पर संदेह बना रहा। इसके बाद पुलिस टीम ने एक-एक कर इमली की बोरियों को हटाकर गहन तलाशी ली। काफी देर तक चली जांच के बाद बोरियों के नीचे प्लास्टिक पैकेटों में छिपाकर रखा गया 94 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। गांजा को इस तरह छिपाया गया था कि सामान्य जांच में उसका पता लगाना मुश्किल था, लेकिन पुलिस की सतर्कता और बारीकी से की गई तलाशी ने तस्करों की पूरी योजना पर पानी फेर दिया।मौके से पुलिस ने ट्रक चालक जगत मोदक (52 वर्ष), निवासी धनबाद (झारखंड) तथा ट्रक के खलासी सुनील बर्मा (40 वर्ष), निवासी नर्मदापुरम (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपी गांजा के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 9.40 लाख रुपये मूल्य का 94 किलो गांजा, करीब 15 लाख रुपये कीमत का आयशर ट्रक तथा तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत लगभग 24 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना डोंगरीपाली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) एवं 29 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया गया। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी भगवती प्रसाद कुर्रे, छोटेलाल सिदार, प्रधान आरक्षक गजानंद पटेल तथा आरक्षक ओमप्रकाश सिंह, सुदर्शन राणा, गोपी सिदार, किरण यादव सहित थाना डोंगरीपाली के अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरी टीम की तत्परता और सतर्कता की सराहना की है।गौरतलब है कि हाल के दिनों में जिले में लगातार गांजा तस्करी के मामलों का खुलासा हो रहा है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि उड़ीसा से अन्य राज्यों तक गांजा पहुंचाने के लिए जिले के विभिन्न मार्गों का इस्तेमाल तस्करों द्वारा किया जा रहा है। हालांकि पुलिस भी लगातार सक्रिय होकर ऐसी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। नियमित वाहन जांच, मुखबिर तंत्र की मजबूती और लगातार चलाए जा रहे विशेष अभियानों के कारण एक के बाद एक तस्करी के मामलों का खुलासा हो रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

> सूचना मिली थी कि उड़ीसा की ओर से एक आयशर ट्रक में भारी मात्रा में अवैध गांजा छिपाकर उत्तर प्रदेश की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर जांच की गई जिसमें इमली की बोरियो के नीचे गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था उस पर कार्यवाही की गई
>
> भगवती प्रसाद कुर्रे
>
> थाना प्रभारी थाना डोंगरोपाली

सर्पदंश व बिच्छू दंश पर झाड़-फूंक नहीं केवल डॉ. ही विकल्प - RSM हॉस्पिटल

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

मानसून आते ही बिलों से बाहर निकले जहरीले साँपों और बिच्छुओं ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। ग्रामीण अंचलों में आज भी लोग सर्पदंश होने पर सबसे पहले ओझा-गुनिया और झाड़-फूंक का सहारा लेते हैं, जिससे मरीज की हालत गंभीर हो जाती है। इसी जानलेवा लापर वाही को रोकने के लिए ऋरू अस्पताल बंधापाली ने एक कड़ा व आवश्यक अलर्ट जारी किया है। ?अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि- चिकित्सा विज्ञान में एंटी - स्नेक वेनम ही एक मात्र ऐसी दवा है जो साँप के जहर को बेअसर कर सकती है और यह अस्पताल में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अगर मरीज को घटना के एक घंटे के भीतर (गोल्डन ऑवर) अस्पताल पहुंचा दिया जाए, तो उसकी जान शत-प्रतिशत बचाई जा सकती है। चिकित्सा विज्ञान में एंटी-स्नेक वेनम ही सर्पदंश का एक मात्र प्रामाणिक इलाज है, जो कि ऋरू हॉस्पिटल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सर्पदंश वाले स्थान पर दो दाँतों के निशान साफदिखाई देना, प्रभावित हिस्से पर अत्यधिक तेज दर्द, जलन और सूजन होना, घाव से खून बहना या उस हिस्से का रंग नीला पड़ना मरीज की पलकों का भारी होना, धुंधला दिखाई देना, बोलने व निगलने में कठिनाई साँस लेने में अत्यधिक तकलीफ होना, शरीर में कमजोरी आना, चक्कर आना या बेहोशी छाना। ?मरीज़ को तुरंत शांत करें और ढांढस बंधाएं, क्यों कि - घबराहट से दिल की धड़कन तेज होती है, जहर तेजी से फैलता है।

?प्रभावित अंग को हिलाए - डुलाए बिना जितना संभव हो स्थिर रखें। ?काटे या डंक वाले स्थान को साफ रखें और बिना समय गंवाए तुरंत अस्पताल लाएं । प्रभावित स्थान पर ब्लेड या चाकू से चीरा बिल्कुल न लगाएं।

मुँह से जहर चूसने की खतरनाक कोशिश कभी न करें।?पारंपरिक तौर पर बर्फ, मिट्टी, गोबर या कोई भी अज्ञात जड़ी-बूटी न लगाएं। ?काटे गए अंग के ऊपर कस कर रस्सी, टूर्निकेट न बांधें, इससे रक्त संचार पूरी तरह रुक सकता है और अंग खराब हो सकता है।

सुभाष चौक बना अव्यवस्थित पार्किंग का अड्डा, मुख्य मार्ग पर खड़े वाहनों से यातायात प्रभावित, पार्किंग व्यवस्था सुधारने में निगम नाकाम

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर के हृदय स्थल माने जाने वाले सुभाष चौक क्षेत्र में अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्राहक अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सीधे मुख्य सड़क पर ही खड़े कर देते हैं। इसका खामियाजा आम नागरिकों और वाहन चालकों को रोजाना जाम, धीमी यातायात व्यवस्था और दुर्घटना की आशंका के रूप में भुगतना पड़ रहा है। गौरतलब हो कि सुभाष चौक शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल है, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। सड़क के दोनों ओर बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण मार्ग संकरा हो जाता है, जिससे बड़े वाहनों, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं के आवागमन में भी परेशानी होती है।

कई बार वाहन चालकों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। नगर निगम द्वारा समय-समय पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के खिलाफकार्रवाई की जाती है, लेकिन यह कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित दिखाई देती है। कुछ समय के लिए व्यवस्था सुधरती है, लेकिन स्थायी और प्रभावी कार्रवाई के अभाव में स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। यही कारण है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों में कार्रवाई का कोई विशेष भय नहीं दिखाई देता। इसी प्रकार की स्थिति शहर के डी-मार्ट परिसर के बाहर भी देखने को मिलती है। यहां खरीदारी के लिए आने वाले लोगों के वाहन अक्सर मुख्य मार्ग पर खड़े रहते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है।

व्यस्त समय में सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद नगर निगम और यातायात पुलिस की ओर से नियमित एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पार्किंग व्यवस्था सुधारने में निगम नाकाम-शहर में बढ़ते वाहनों के अनुपात में पार्किंग की समुचित व्यवस्था विकसित करने में नगर निगम अब तक सफल नहीं हो सका है। व्यावसायिक क्षेत्रों में पार्किंग स्थल चिन्हित करने और उनका प्रभावी संचालन नहीं होने से लोग मजबूरन मुख्य सड़कों पर वाहन खड़े कर रहे हैं। निगम समय-समय पर कार्रवाई तो करता है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप सुभाष चौक, डी-मार्ट सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में रोजाना यातायात बाधित हो रहा है। नागरिकों का कहना है कि जब तक पार्किंग की समुचित व्यवस्था और नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कराया जाएगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

रायगढ़ में भगवान भरोसे स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, मुख्य मार्ग से लेकर मोहल्लों तक पसरा अंधेरा, नागरिकों में बढ़ रही नाराजगी

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। शाम ढलते ही जहां प्रमुख मार्गों और कॉलोनियों को रोशनी से जगमगाना चाहिए, वहीं शहर के कई हिस्सों में अंधेरा पसरा रहता है। मुख्य मार्गों पर भी बड़ी संख्या में स्ट्रीट लाइट बंद होने से आम नागरिकों, वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय यह स्थिति न केवल असुविधा का कारण बन रही है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी गंभीर चिंता का विषय बन गई है।निगम सूत्रों के अनुसार लगभग एक वर्ष पहले शहर की स्ट्रीट लाइटों के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी एक निजी ठेका कंपनी को सौंपी गई थी। ठेका अवधि समाप्त होने के बाद अब तक नए ठेके की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। परिणामस्वरूप नगर निगम का विद्युत विभाग ही सीमित संसाधनों के साथ व्यवस्था संभाल रहा है।जानकारी के मुताबिक निगम के विद्युत विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आवश्यक स्पेयर पार्ट्स और सामग्री का अभाव है। स्ट्रीट लाइट खराब होने पर उसे तत्काल ठीक करने या बदलने के लिए पर्याप्त उपकरण और सामग्री उपलब्ध नहीं है। ऐसे में निगम के कर्मचारी चाहकर भी समय पर खराब लाइटों को दुरुस्त नहीं कर पा रहे हैं।बताया जाता है कि पूर्व में जब निजी ठेका कंपनी कार्यरत थी, तब शिकायत मिलने के बाद खराब स्ट्रीट लाइटों को अपेक्षाकृत कम समय में बदल दिया जाता था। लेकिन वर्तमान व्यवस्था में संसाधनों की कमी के कारण कई दिनों और कई स्थानों पर महीनों तक लाइटें बंद पड़ी रहती हैं।

नहीं जल सकी छातामुडा से सहदेवपाली की स्ट्रीट लाईट- निगम प्रशासन द्वारा एम आई सी में प्रस्ताव पास होने के उपरांत करोड़ो रुपए खर्च कर छातामुडा चौक से सहदेवपाली तक स्ट्रीट लाईट लगवाई गई थी। लाईट तो लग गई परन्तु इसके रखरखाव और मेंटेनेंस में की जा रही अनदेखी की वजह से इसका लाभ क्षेत्रवासियों को नहीं मिल सका।नतीजन बंद स्ट्रीट लाइट के रूप के अब भी सामने है।

मुख्य मार्गों के साथ मोहल्लों में भी अंधेरा-शहर के प्रमुख मार्गों के अलावा गली-मोहल्लों और आवासीय क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। रात के समय अंधेरे के कारण महिलाओं, विद्यार्थियों, बुजुर्गों और देर रात घर लौटने वाले लोगों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी, लूटपाट या अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

नागरिकों में बढ़ रही नाराजगी-स्थानीय लोगों का कहना है कि स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में शहर की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नागरिकों का आरोप है कि शिकायतें किए जाने के बावजूद कई स्थानों पर लंबे समय से बंद पड़ी लाइटों की मरम्मत नहीं हो पा रही है। लोगों का मानना है कि नगर निगम को इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शीघ्र कदम उठाने चाहिए। क्या कहते है सलीम नियारिया पार्षद नेता प्रतिपक्ष=निगम प्रशासन के पास न स्पेयर पार्ट्स मौजूद है।और न ही लाईट बदलने की कोई सुविधा है।शहर के अधिकांश स्ट्रीट लाइट बंद पड़े है।निगम द्वारा करोड़ो रुपये खर्च कर छातामुड़ा चौक से सहदेवपाली तक स्ट्रीट लाईट लगवाई गई।जो अब भी बंद है।

खनिज़ के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण करने वालों पर कार्यवाही जारी

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पद्मिनी भोई साहू द्वारा दिये गये निर्देश पर खनिज अमला द्वारा 5 दिनों (26, 27, 28, 29 और 30 जून) में जिले के खनिज से जुड़े सभी अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के संदिग्ध क्षेत्र का छापामार कर तत्परता से कार्यवाही किया गया। इससे खनिज के अवैध धंधे में शामिल कारोबारियों को जोर का झटका लगा है। सारंगढ़, सरिया एवं बरमकेला तहसील में निरीक्षण के दौरान 08 स्वीकृत भण्डारण, क्रेशर 01. मेसर्स सिंघल क्रशर उद्योग, प्रो. श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल एवं 02. मेसर्स गणपति ग्रामोद्योग, प्रो. श्री रमेश छपारिया, 03. मेसर्स जय मां शारदा मिनरल्स प्रो. हिमान्सु अग्रवाल, 04. मेसर्स मंगल क्रशर उद्योग, प्रो. दीपक अग्रवाल, 05. मेसर्स श्री सालासर इंटरप्राईजेस प्रो. श्रीमती प्राची बेरीवाल, 06. मेसर्स हरिओम मिनरल्स, प्रो. शत्रुघन लाल अग्रवाल, 07. मेसर्स मॉ अम्बे स्टोन क्रेशर, प्रो. श्रीमती निरजा अग्रवाल एवं 08. मेसर्स श्री श्याम मिनरल्स, प्रो. श्रीमती पूनम देवी अग्रवाल पर छ.ग. खनिज (खनन, परिवहन एवं भण्डारण) नियम 2009 के तहत ज़प्ती की कार्यवाही कर सील किया गया एवं 01 स्वीकृत उत्खनिपट्टा मेसर्स बाबा मिनरल्स गुड़ेली प्रो. श्री राजेश अग्रवाल में छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 के एवं पर्यावरण सम्मति के शर्तो का उल्लंघन पायें जाने पर कर जप्ती की कार्यवाही कर सील किया गया। जिसकी नियमानुसार कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। सरिया तहसील में मंगलवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान गौण खनिज डोलोमाइट के अवैध परिवहन करते हुए 02 हाइवा वाहन क्रमांक ष्ट्व-13-ड्ड-0311 एवं ष्ट्व-13-क्च्य-5842 तथा गौण खनिज साधारण रेत के अवैध परिवहन करते हुए 08 ट्रेक्टर वाहन पर कार्यवाही करते हुए थाना सरिया के सुरक्षार्थ में रखा गया।

विशाल शोभायात्रा को देखने के लिए नगर के विभिन्न मोहल्लों एवं आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

बरमकेला में पहली बार निकली संत कबीरदास जयंती की ऐतिहासिक शोभायात्रा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

बरमकेला/मूक पत्रिका

संत शिरोमणि कबीरदास जी की जयंती के पावन अवसर पर बरमकेला ब्लॉक मुख्यालय में पहली बार आदर्श पनिका समाज एवं युवा पनिका समाज बरमकेला के संयुक्त तत्वावधान में विशाल एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में क्षेत्रभर से सैकड़ों की संख्या में समाजजनों, श्रद्धालुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे नगर में भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। नगर के प्रमुख मार्ग कबीर साहेब के जयघोष, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ से गुंजायमान रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महंत पारा स्थित कबीर मंदिर में संत कबीरदास जी की प्रतिमा एवं चित्र के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना, दीप प्रज्ज्वलन एवं आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात संत कबीरदास जी के सुसज्जित चित्र को आकर्षक वाहन में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सबसे आगे महिलाएं एवं युवतियां सिर पर कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में चल रही थीं। उनके पीछे हाथों में धार्मिक ध्वज लिए युवा कबीर साहेब के जयघोष लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए पूरे उत्साह के साथ शोभायात्रा में शामिल रहे। शोभायात्रा महंत पारा स्थित कबीर मंदिर से प्रारंभ होकर जनपद चौक, इंदिरा चौक, अटल चौक, पुराना बस स्टैंड, सुभाष चौक, डॉ. शक्राजीत नायक चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अघरिया सदन पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा कई स्थानों पर पुष्पवर्षा भी की गई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर आयोजित मुख्य समारोह में सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी जांगड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यभामा मनोहर नायक, नगर पंचायत उपाध्यक्ष राजू नायक, जिला पंचायत सदस्य सहोद्रा सिदार, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशोर पटेल, पार्षद श्रीमती उर्मिला सिदार तथा पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद पटेल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संत कबीरदास जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा उनके बताए मानवता, समानता, प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संत कबीरदास जी ने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से समाज में फैली जात-पात, ऊंच-नीच, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों का विरोध करते हुए मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। वर्तमान समय में कबीर साहेब के आदर्शों को अपनाकर ही सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। शोभायात्रा में संत कबीरदास जी के जीवन पर आधारित आकर्षक झांकियां, धार्मिक ध्वज, भजन-कीर्तन मंडलियां तथा पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालु पूरे रास्ते कबीर साहेब के भजनों का गायन करते हुए चल रहे थे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की बड़ी भागीदारी ने आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया।

पहली बार आयोजित इस विशाल शोभायात्रा को देखने के लिए नगर के विभिन्न मोहल्लों एवं आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आदर्श पनिका समाज एवं युवा पनिका समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कई दिनों से व्यापक तैयारियां की थीं। शोभायात्रा के मार्ग, पेयजल, यातायात, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया था। सभी स्वयंसेवकों ने अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया, जिससे पूरा आयोजन सुव्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।शोभायात्रा के दौरान बरमकेला पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने यातायात व्यवस्था, सुरक्षा तथा शोभायात्रा के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बरमकेला में पहली बार आयोजित इस ऐतिहासिक शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई। आयोजन की भव्यता, श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व सहभागिता तथा अनुशासित व्यवस्था की नगर में सराहना हो रही है। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों, समाजजनों, श्रद्धालुओं, पुलिस प्रशासन, नगरवासियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी संत कबीरदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर किए जाएंगे।

गुणवत्ता हीन पुलिया निर्माण एवं शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर जनपद सदस्यों ने लिखित आवेदन प्रस्तुत कर कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग की

अनियमितता का आरोप, जनपद सदस्यों ने कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग

जगदलपुर/बकावंड/मूक पत्रिका

बकावंड विकासखंड के क्षेत्रीय जनपद सदस्यों ने शिक्षा व्यवस्था एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कराए जा रहे पुलिया निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला कलेक्टर को लिखित आवेदन सौंपा है। जनप्रतिनिधियों ने दोनों मामलों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।जनपद सदस्यों का आरोप है कि शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में युक्तियुक्तकरण एवं अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में की गई थी, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिल सके। लेकिन बाद में कई शिक्षकों को पुनः उनके मूल अथवा मनचाहे स्थानों पर भेज दिया गया, जिससे अनेक स्कूल फिर से एकल शिक्षक अथवा शिक्षक विहीन होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और शासन की शिक्षा सुधार संबंधी मंशा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।इसके अलावा जनपद सदस्यों ने प्रधानमंत्री ग्राम

जर्जर स्कूल भवन में जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर बच्चे, शिकायतों के बाद भी नहीं कोई निराकरण
मासूमों की जान पर मंडराता खतरा, टपकती छत के नीचे सपनों की उड़ान
बकावंड/मूक पत्रिका

मूक पत्रिका
प्रादेशिकी
गुणवत्ता हिन पुलिया निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्रीय जनपद सदस्य ने जताई कड़ी नाराजगी शासन से कि जांच कि मांग
जगदलपुर/मूक पत्रिका

सड़क योजना के अंतर्गत बकावंड विकासखंड में निर्माणाधीन पुलिया कार्यों की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की शिकायतें मिल रही हैं। यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो भविष्य में पुलिया की गुणवत्ता और लोगों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से मांग की है कि शिक्षा विभाग में हुए शिक्षक स्थानांतरण एवं युक्तियुक्तकरण की पूरी प्रक्रिया की जांच कराई जाए तथा निर्माणाधीन पुलिया कार्यों की तकनीकी जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी अधिकारी, कर्मचारी अथवा ठेकेदार की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

जनपद सदस्यों का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य उपलब्ध कराना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र जांच कराएगा और दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करेगा।यदि चाहें, मैं इसे समाचार पत्र की शैली (बोल्ड हेडिंग, उपशीर्षक और बयान सहित) भी तैयार कर सकता हूँ।

1098 पर सूचना मिलते ही प्रशासन पहुंचा गांव, परिजनों ने पढ़ाई जारी रखने और विवाह नहीं कराने का दिया लिखित आश्वासन

जागरूकता लाई रंग, समय रहते रुका 15 वर्षीय किशोरी का बाल विवाह

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में बाल विवाह रोकथाम को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान का सकारात्मक असर सामने आया है। भोपालपटनम विकासखंड के एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी का प्रस्तावित बाल विवाह समय रहते मिली सूचना के आधार पर रोक दिया गया। प्रशासन की समझाइश के बाद परिजनों ने बालिका की शिक्षा जारी रखने और भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने का लिखित आश्वासन दिया।जानकारी के अनुसार, एक जागरूक नागरिक ने संभावित बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 पर दी। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग एवं चाइल्ड लाइन की टीम तत्काल गांव पहुंची। टीम ने किशोरी के माता-पिता, परिजनों और ग्रामीणों को बाल विवाह के सामाजिक दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर समझाइश दी।समझाइश का असर हुआ और परिवार ने बाल विवाह का निर्णय वापस ले लिया। साथ ही बालिका की पढ़ाई निरंतर जारी रखने पर सहमति जताई। विभाग ने संबंधित परिवार से भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने का लिखित आश्वासन भी लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तत्काल 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) या 181 (महिला हेल्पलाइन) पर सूचना दें। समय पर दी गई सूचना किसी बच्चे का भविष्य सुरक्षित कर सकती है। जिला प्रशासन ने इस कार्रवाई में सहयोग देने वाले नागरिकों की सराहना करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। ग्राम स्तरीय बैठकों, विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक संवाद के माध्यम से चलाए जा रहे अभियान के सकारात्मक परिणाम अब जिले में दिखाई देने लगे हैं।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भटगांव पुलिस ने विद्यार्थियों को पढ़ाया कानून का पाठ

आत्मानंद विद्यालय में नवीन कानून, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा व नशामुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों ने लिया जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प

भटगांव/मूक पत्रिका

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस द्वारा जनजागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भटगांव में नवीन आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं नशामुक्ति विषय पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी शिव कुमार धारी ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भारतीय न्याय संहिता (क्व्हस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (क्व्हस्स) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (क्क्ष) की विस्तृत जानकारी दी गई। थाना प्रभारी शिव कुमार धारी ने कहा कि नई न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने विद्यार्थियों को ई-एफआईआर जैसी डिजिटल सुविधाओं की जानकारी देते हुए कानून के प्रति जागरूक रहने और अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझने का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधों से बचाव पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, ओटीपी ठगी, फर्जी लॉटरी, सोशल मीडिया हैकिंग, फिशिंग लिंक एवं डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। साथ ही किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक अथवा संदेश की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की गई।महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के संबंध में अभिव्यक्ति ऐप, एसओएस फीचर, महिला हेल्पलाइन 1091 एवं आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी दी गई। सखी सेंटर एवं महिला परामर्श केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध चिकित्सा, कानूनी सहायता, काउंसिलिंग एवं अस्थायी आश्रय जैसी सुविधाओं से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।अपने संबोधन में थाना प्रभारी ने युवाओं से नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने, यातायात नियमों का पालन करने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नशामुक्त, सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

?कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर 'बिग बॉस' का घर था, जहां 'गांधी परिवार' की चरण वंदना का पाठ पढ़ाया गया : भाजपा

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कांग्रेस के 10 दिनों तक चले कथित प्रशिक्षण शिविर पर करारा तंज कसते हुए इस शिविर की तुलना 'बिग बॉस' के घर से करते हुए कहा कि यहाँ कार्यकर्ताओं को देश या जनता की सेवा का नहीं, बल्कि सिर्फ और सिर्फ गांधी परिवार की चाकरी और सेवा करने का प्रशिक्षण दिया गया है?भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चिमनानी ने तीखा हमला बोलकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी, जिन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी 'प्रशिक्षण' शब्द का मतलब तक नहीं समझा, वे खुद कार्यकर्ताओं को ज्ञान बाँटने आ गए! इतना ही नहीं, प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पवन खेड़ा और अलका लाम्बा जैसे अप्रशिक्षित लोग वहाँ दूसरों को प्रशिक्षित करने आए या बिगाड़ने। श्री चिमनानी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी को न तो कार्यकर्ताओं की चिंता थी और न ही प्रशिक्षण से कोई लेना-देना था। वे इस शिविर में केवल खानापूर्ति करने के लिए आए थे, वहाँ 'मैगी' खाई और वापस चले गए। यह शिविर पूरी तरह से बेअसर और सिर्फराजनीतिक तमाशा बनकर रह गया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चिमनानी ने कहा कि देश के गिने-चुने राज्यों तक सिमट चुकी कांग्रेस पार्टी का भविष्य पूरी तरह अंधकारमय है और आने वाले समय में यह भारत के राजनीतिक नक्शे से गायब हो जाएगी। देश की जनता हमेशा निःस्वार्थ भाव से सेवा करने वालों को मौका देती है, न कि भ्रष्टाचार के जरिए देश को लूटने वालों को। श्री चिमनानी ने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए 'प्रशिक्षण' शब्द का असली अर्थ बेहद सीमित है।

छीतापार हाई स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव, नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया गया स्वागत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय हाई स्कूल छीतापार में नए शिक्षा सत्र के अवसर पर शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य भाव सिंह जनार्दन, सरपंच श्रीमती शिव कुमारी, पंच अमित कोसले एवं धर्मेंद्र रजक ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल ड्रेस और पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथियों एवं प्राचार्य श्री भाव सिंह जनार्दन ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने तथा पूरे उत्साह के साथ मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पालकों से भी अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने तथा घर पर अध्ययन के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की अपील की, ताकि बच्चों की सीखने की क्षमता और शैक्षणिक उपलब्धियों में निरंतर सुधार हो सके।कार्यक्रम में जितेंद्र बांधे, महेश रजक, गौकरण मानिकपुरी, व्याख्याता देवीचंद डेहरे, श्रीमती तृप्ति शोरी, संतोष कुमार शर्मा, मिडिल स्कूल के प्रधान पाठक भगवती देवदास, प्राथमिक स्कूल के प्रधान पाठक गोपाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, पालक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन को मिला नया नेतृत्व, किसान हितों को मिलेगी नई मजबूती,बाबूलाल साहू बने कांकेर जिला अध्यक्ष

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर 30 जून 2026 (मंगलवार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त कांकेर जिला अध्यक्ष बाबूलाल साहू ने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपने पद का प्रभार ग्रहण किया। संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में उन्हें जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। गौरतलब है कि यह नियुक्ति पत्र 12 अप्रैल 2026 को प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। किसान यूनियन छत्तीसगढ़ ने 12 अप्रैल 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से बाबूलाल साहू को कांकेर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया था। मंगलवार 30 जून 2026 को उन्होंने आधिकारिक रूप से पदभार संभालते हुए किसानों के हित में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बाबूलाल साहू के नेतृत्व में जिले में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा किसानों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा। वहीं बाबूलाल साहू ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसानों के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और संगठन के विस्तार के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री उत्कर्ष योजना : कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा 5 जुलाई को, तैयारियाँ पूरी

बेमेतरा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार, यह परीक्षा आगामी 5 जुलाई 2026 (दिन रविवार) को आयोजित की जाएगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति (स्ट) और अनुसूचित जनजाति (स्ञ) वर्ग के होनहार छात्रों को राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना है।परीक्षा का कार्यक्रम और समय विभाग द्वारा परीक्षा के सफल संचालन के लिए समय-सारणी निर्धारित कर दी गई है, परीक्षा की तिथि 05 जुलाई 2026 (रविवार) व परीक्षा का समय दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक (कुल 2 घंटे) जिला प्रशासन और आदिम जाति कल्याण विभाग ने परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली हैं।

नक्सली मामलों में जेलों में बंद निर्दोष आदिवासियों की रिहाई की मांग

विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, कहा-वर्षों से बंद ग्रामीणों को मिले न्याय

बीजापुर/आशीष पदमवार । विधायक विक्रम मंडावी ने नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद बताए जा रहे निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों की रिहाई की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र भेजकर ऐसे मामलों में मानवीय आधार पर निर्णय लेने का आग्रह किया है।

विक्रम मण्डावी
विधायक
बीजापुर क्षेत्र क्र.-89

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक ने कहा है कि बस्तर संभाग आदिवासी बहुल और लंबे समय तक नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है। इस दौरान नक्सली मामलों में बड़ी संख्या में गरीब और निर्दोष आदिवासी ग्रामीण जेल पहुंचे, जिनमें से कई आज भी वर्षों से बंद हैं। उन्होंने लिखा कि अधिकांश आदिवासी ग्रामीण कम पढ़े-लिखे हैं और आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण न्यायालय में प्रभावी पैरवी नहीं कर पाते। इसी वजह से कई लोग लंबे समय से जेल में रहने को मजबूर हैं। विधायक मंडावी ने पत्र में यह भी कहा कि प्रदेश में नक्सल उन्मूलन अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और बस्तर अब तेजी से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है। सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले हथियारबंद नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत राहत और पुनर्वास का अवसर दिया है। ऐसे में नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों के मामलों की भी समीक्षा कर उन्हें माफी देते हुए रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से ऐसे सभी मामलों की संवेदनशीलता से जांच कर उचित निर्णय लेने की मांग की है, ताकि निर्दोष लोगों को न्याय मिल सके।

विधायक की प्रमुख मांगें

नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद निर्दोष आदिवासियों की रिहाई।

लंबित मामलों की विशेष समीक्षा कर मानवीय आधार पर निर्णय।

आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासियों को न्याय दिलाने के लिए पहल।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की तरह निर्दोष बंदियों के मामलों में भी राहत देने की मांग।

महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचाने पर जोर, महतारी वंदन योजना के लिए अभी से तैयारी के निर्देश

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर करें निराकरण, लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशुष पदमवार - कलेक्टर विश्वदीप ने सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन और कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों का समय-सीमा के भीतर समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में कलेक्टर ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर सतत निगरानी रखने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।कलेक्टर ने बताया कि महतारी वंदन योजना का पोर्टल जल्द ही पुनः शुरू होने वाला है। इसे देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को योजना से वंचित रह गई महिलाओं और नए पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनके आवश्यक दस्तावेजों का शत-प्रतिशत संकलन करने के निर्देश दिए, ताकि पोर्टल शुरू होते ही पात्र महिलाओं को बिना विलंब योजना का लाभ मिल सके।बैठक में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण के मामलों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने राजस्व विभाग को अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा लंबित राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री राहत योजना पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए ताकि जरूरतमंद लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचे और पात्र व्यक्तियों को समय पर लाभ मिल सके।

बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

माँ कौशल्या धाम चंदखुरी में होगा तीन दिवसीय ऐतिहासिक मानस महासम्मेलन

26 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा मानस ब्रह्म गर्भ मंथन 6.0, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संतों का होगा आगमन

चंदखुरी (रायपुर)/मूक पत्रिका

भगवान श्रीराम की ननिहाल एवं छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रमुख केंद्र माँ कौशल्या धाम चंदखुरी आगामी 26, 27 एवं 28 सितंबर 2026 को भव्य मानस महासम्मेलन एवं ÷मानस ब्रह्म गर्भ मंथन 6.0÷ का साक्षी बनेगा। यह तीन दिवसीय ऐतिहासिक आयोजन माँ कौशल्या मंदिर समिति चंदखुरी के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित संत, मानस मर्मज्ञ, विद्वान एवं हजारों श्रद्धालु सहभागी होंगे। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मानस दर्शन जीवन अर्पण के संस्थापक एवं परिकल्पनाकार आदरणीय श्री दीपक गुहा के नेतृत्व में केंद्रीय टीम ने माँ कौशल्या धाम पहुँचकर आयोजन स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान माँ कौशल्या मंदिर ट्रस्ट एवं मानस दर्शन जीवन अर्पण के पदाधिकारियों के बीच लगभग पाँच घंटे तक महत्वपूर्ण महाबैठक आयोजित हुई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, संतों के आगमन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक का गरिमामय एव प्रभावशाली संचालन राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक, अंतरराष्ट्रीय कलमकार तथा जिला संयोजक (गरियाबंद) आदरणीय श्री मुन्नालाल देवदास जी ने किया। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा, उद्देश्य एवं कार्ययोजना को अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करते हुए सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के मध्य समन्वय स्थापित किया। उनके कुशल संचालन से बैठक सफल, सार्थक एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि इस ऐतिहासिक आयोजन में छत्तीसगढ़ की विशिष्ट मानस मंडलियों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के संतों और विद्वानों के दिव्य प्रवचनों से माँ कौशल्या धाम आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनेगा। बैठक में मानस दर्शन जीवन अर्पण केंद्रीय समिति से देवलाल लाल सिन्हा, आत्माराम साहू, धड़कन विष्णु साहू, पुनेश्वर साहू, बिहारी लाल यादव, के. के. सिन्हा, हितेंद्र साहू, गजेन्द्र वर्मा, रामकुमार प्रजापति, भूपेश बनपेला, संदीप ठाकुर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही आयोजन की तैयारियों में श्री प्रदीप बैस (अध्यक्ष नगर पंचायत चंदखुरी), श्री गणेश राम (मुख्य पुजारी), श्री नरेंद्र कुमार (पार्षद), श्री मुन्नालाल देवदास (माँ कौशल्या नवाचार फाउंडेशन), श्री रामस्वरूप वर्मा (अध्यक्ष, माँ कौशल्या मंदिर समिति), श्री दिलीप सिंह ठाकुर (अध्यक्ष, माँ कौशल्या मानस संघ रायपुर), श्री नारायण प्रसाद वर्मा (संरक्षक), श्री रोहित साहू (कोषाध्यक्ष), श्री जोईधा राम तारक (सलाहकार), श्री मेसूल साहू (संचालक), श्री लतेल जायसवाल, श्री संतोष साहू, श्री जनक राम, श्री ओंकार पटेल सहित महिला मंडली एवं समस्त नगरवासियों का विशेष सहयोग एवं सहभागिता रही।

आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि भगवान श्रीराम की ननिहाल माँ कौशल्या धाम चंदखुरी में आयोजित यह मानस महासम्मेलन छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय सिद्ध होगा तथा सनातन संस्कृति और श्रीरामचरितमानस के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रत्नावली कौशल सारंगगढ़-बिलाईगढ़ जिले की सहप्रभारी नियुक्त

दायित्व मिलने पर माना वरिष्ठ नेताओं का आभार

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने रत्नावली कौशल को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ की सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिला इकाई का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण संगठनात्मक दायित्व के लिए रत्नावली कौशल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय,महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी का तहेदिल से आभार व्यक्त किया है। रत्नावली कौशल ने संगठन के प्रति आस्था की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा- ÷भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास पर खरा उतरने का मैं पूरा प्रयास करूंगी। मैं पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने हेतु पूरी निष्ठा, समर्पण भाव से एवं सक्रियता के साथ कार्य करूंगी।÷ रत्नावली कौशल ने आगे कहा- ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के सुशासन के संकल्प और उनके नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदेश की अंतिम पंक्ति की महिलाओं तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता होगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे ऐतिहासिक निर्णयों से प्रेरणा लेकर हम प्रत्येक महिला को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।÷ रत्नावली कौशल ने कहा कि सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में महिला मोर्चा की समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनों के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन के विस्तार, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा मातृशक्ति को राजनीतिक रूप से और अधिक सशक्त करने की दिशा में वे सक्रिय रूप से कार्य करेंगी। रत्नावली कौशल ने अंत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा एवं अंत्योदय के सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाने का यह अवसर उनके लिए गौरव का विषय एवं सेवा का बड़ा माध्यम है।

कलेक्ट्रेट में जीवन दीप समिति की बैठक सम्पन्न

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता और जिला स्तर के सभी अधिकारियों की उपस्थिति में जीवन दीप समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला अस्पताल सारंगढ़ बिलाईगढ़ के सिविल सर्जन डॉ दीपक जायसवाल ने जीवन दीप समिति में कार्यरत स्टॉफ डॉक्टर, नर्स, वाहन चालक और भवन के साथ उपकरण आदि की जानकारी दी गई।

बैठक में मुख्यमंत्री लोक चिकित्सालय उन्नयन कोष के तहत हॉस्पिटल भवन मरम्मत एवं प्लस्टर आदि, जीवन समिति के मानव संसाधन रेडियोग्राफर, ड्रेसर, कंप्यूटर ऑपरेटर, नर्स, ड्राइवर, ऑक्सीजन प्लांट ऑपरेटर की आवश्यकता की जानकारी दी गई। अतिरिक्त मानव संसाधन की संभावित मासिक खर्च, विद्युत व्यवस्था लाईट पंखा मरम्मत, नया मेडिसिन वार्ड में फर्नीचर, सीसीटीवी, एक्सरे रूम का उन्नयन, पोस्ट मार्टम परिसर में पानी टंकी और नल कनेक्शन की व्यवस्था की आवश्यकता की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने सभी आवश्यकता को ध्यान में रखकर संबंधित विभागों को कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

' जगदलपुर में भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश अधिवेशन कराने बैठक सम्पन्न '

जगदलपुर/मूक पत्रिका

भारतीय मजदूर संघ जिला बस्तर के अध्यक्ष लीलेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता,मुख्य अतिथि सी वी राजेश - भारतीय मजदूर संघ के पश्चिम क्षेत्र एवं मध्य क्षेत्र संगठन मन्त्री एवं छत्तीसगढ़-म. प्र.-राजस्थान-गुजरात-महाराष्ट्र-विदर्भ-गोवा आदि प्रान्तों के प्रान्त प्रभारी के मुख्य आतिथ्य, दिनेश पाण्डे-भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी सह उद्योग प्रभारी (नान कोल) के विशिष्ट अतिथि, प्रदेश मंत्री विकास सिंह,जिला मन्त्री-तोरण हिरवानी के निर्देशन,रमऊ लाल सार्वा राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के पूर्व कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष एवं भारतीय मजदूर संघ के बस्तर सम्भाग प्रभारी के मार्गदर्शन,राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश मन्त्री-चन्द्र प्रकाश देवांगन,भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ छत्तीसगढ रायपुर परिमंडल के सचिव-हेमन्त पाण्डे, नागेन्द्र सिंह सम्भागीय उपाध्यक्ष ,स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष - शरद दुबे , निवेश केसरवानी, इस्पात मजदूर संघ नगरनार से रंजीत सेठिया, राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ से यू धर्मेन्द्र पटनायक, गजेन्द्र कुमार दिल्लीवार, विजय साहू, रविकान्त झा,धर्मराज चौधरी,बिजली कर्मचारी संघ महासंघ छ.ग. से पारितोष पॉल, संजय कौशिक,हेमन्त सेठिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में दिए गए आगामी लक्ष्य बिन्दु- 26,27,28- 3-2027भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ का प्रदेश अधिवेशन जगदलपुर में कराने, कार्यकर्ता नेतृत्व क्षमता विकास कार्यशाला 18,19 जुलाई 2026 विश्रामपुर (बलरामपुर) में जिला से प्रतिनिधियों को भेजने, BMS की सम्पूर्ण जानकारी के लिए सितम्बर में अभ्यास वर्ग सह जिला अधिवेशन कराने,70 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 23 जुलाई को स्थापना दिवस का बेनर/फ्लेक्स और नीचे यूनियन का नाम लिख कर ऑफिसों के सामने लगा कर झण्डा वन्दन करने , प्रदेश अधिवेशन के पूर्व 3 यूनियन का पंजीयन कराने,अन्त्योदय याने जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं जैसेः-रोटी-कपड़ा-मकान-स्वास्थ्य-शिक्षा कहा जाता है परन्तु BMS ने शोषित-पीड़ित- वंचित जनों का भाग्य बनाने वाले हम शब्द का उपयोग कर एक एक कार्यकर्ता के घर एवं नए लोगों के घर तक BMS की विस्तृत बात पहुँचाने पर चर्चा हुई। बैठक का संचालन तोरण हिरवानी जिला मंत्री ने किया।

विजय साहू संगठन मन्त्री ने बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।यू धर्मेन्द्र पटनायक एवं गजेन्द्र कुमार दिल्लीवार ने अतिथियों का स्वागत किया।

कलेक्टर जनदर्शन में पीएम आवास के लिए मिले 86 आवेदन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्टर जनदर्शन में जिले के नागरिकों से 185 आवेदन प्राप्त किए, जिनमें विभिन्न योजनाओं के लाभ दिलाने के आवेदन जैसे राशनकार्ड के 8, पेंशन के 2, शौचालय के 2 शामिल थे। इसके अलावा अवैध कब्ज़ा हटाने, ग्राम सभा में मनमानी निर्णय करने आदि के आवेदन लोगों ने कलेक्टर को दिए।कलेक्टर जनदर्शन में पीएम आवास के लिए सबसे ज्यादा 86 आवेदन प्राप्त हुए।

थेरेसियन एकेडमी, बोरियाखुर्द में निवेश समारोह आयोजित

रायपुर/मूक पत्रिका

थेरेसियन एकेडमी, बोरियाखुर्द, रायपुर (छत्तीसगढ़) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निवेश समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. संध्या महाडिक थीं तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर सेलीन कुरियन ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया।

समारोह में तेजस भजोरिया को हेड बॉय तथा रिया साहू को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। अपने संबोधन में सिस्टर सेलीन कुरियन ने छात्र-छात्राओं से अनुशासन, ईमानदारी और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. संध्या महाडिक ने विद्यार्थियों को नेतृत्व क्षमता विकसित कर समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

क्या औरत का अपना कोई घर नहीं होता? 'अनुपमा' ने महिलाओं की पहचान और स्वतंत्रता पर बेहद ज़रूरी बातचीत कि की शुरुआत

'ज़ित मुम्बई/मूक पत्रिका

'अपना घर' औरत के लिए सच में क्या मायने रखता है? औरत को अक्सर घर की धड़कन कहा जाता है वही जो अपने प्यार, देखभाल और अपनापन से एक मकान को घर बना देती है। लेकिन क्या वह घर सच में उसका होता है? क्या कोई ऐसी जगह है जिसे वह पूरी तरह अपना कह सके? स्टार प्लस का शो 'अनुपमा' बार बार उन मुद्दों पर बात करता है जो महिलाओं के दिल के बेहद करीब हैं। अब अपने नए 'अपना घर' ट्रैक के साथ यह शो पारिवारिक ड्रामे से आगे बढ़कर एक ऐसा सवाल उठाता है जो जितना भावनात्मक है उतना ही अहमः ÷हमारा अपना घर कौन सा है?÷यह ट्रैक उस पुरानी सोच को चुनौती देता है जिसमें औरतों से उम्मीद की जाती है कि वे सबके लिए घर बसाएँ, लेकिन उन्हें खुद अपना घर बनाने के लिए कभी मज़बूती से प्रोत्साहित नहीं किया जाता। 'अनुपमा' एक बार फिर मनोरंजन से कहीं आगे जाकर समाज में ज़रूरी बातचीत की शुरुआत करती है। इस ट्रैक पर अपनी राय रखते हुए रूपाली गांगुली उर्फ अनुपमा ने 'औरतों का अपना घर' पर एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा ÷सालों तक अनुपमा ने परिवारों को जोड़कर रखने में अपनी ज़िंदगी लगा दी, लेकिन इस बार वह वही सवाल पूछती है जो शायद लाखों औरतों ने कभी न कभी खुद से पूछा होगा, 'हमारा अपना घर कौन सा है?' मेरा मानना है कि हर औरत को वह आत्मविश्वास और सुरक्षा मिलनी चाहिए जो एक ऐसे स्पेस से आती है जिसे वह सच में अपना कह सके। हर औरत को अपना घर खुद बनाना चाहिए। अगर यह कहानी कुछ औरतों को अपने भविष्य, अपनी आर्थिक आज़ादी या अपने सपनों के बारे में अलग सोचने के लिए प्रेरित करती है, तो मुझे लगता है कि इसने मनोरंजन से कहीं आगे जाकर अपना मक़सद पूरा किया है। हम औरतों से हमेशा घर बसाने की उम्मीद रखते हैं, लेकिन शायद अब समय आ गया है कि हम उन्हें अपना घर बनाने का हक भी उतनी ही मज़बूती से दें।÷

छात्रों को नए कानून, साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा की दी जानकारी..

आत्मानंद स्कूल में सारंगढ़ पुलिस का जागरूकता अभियान

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सारंगढ़ पुलिस ने मंगलवार को आत्मानंद स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों और शिक्षकों को देश के नए आपराधिक कानूनों, साइबर सुरक्षा तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम में कोतवाली प्रभारी प्रमोद यादव ने बताया कि नई आपराधिक न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को त्वरित और प्रभावी न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर और समयबद्ध न्याय व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण बदलावों से छात्रों को अवगत कराया। इस दौरान महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों में सख्त कानूनी प्रावधानों तथा पीड़ितों के अधिकारों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षु महिला उप निरीक्षक चंचल सोनवानी ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए संचालित अभिव्यक्ति ऐप, हेल्पलाइन 1091 और आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी दी। साथ ही सखी सेंटर, महिला परामर्श केंद्र और महिला हिंसा से संबंधित मामलों में मिलने वाली कानूनी एवं सामाजिक सहायता के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए ऑनलाइन ठगी, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लॉटरी, बैंकिंग धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने डिजिटल माध्यमों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की अपील की। अंत में पुलिस अधिकारियों ने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, प्रशिक्षु उप निरीक्षक चंचल सोनवानी, आरक्षक पुरुषोत्तम राठौर, आत्मानंद स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

॥ जीवेत शरदः शतम् ॥

1 जुलाई

सरल-सहज, लोकप्रिय,
नवागढ़ क्षेत्र के दुलरवा विधायक
छ.ग.शासन के केबिनेट मंत्री

मा.दयालदास बघेल जी

को जन्मदिन

की हार्दिक शुभकामनाएं

-: विनीत :-
सतनामी समाज, विधानसभा नवागढ़

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।